वर्ष : 34 | अंक : 304 | मुंबई, शनिवार, 10 जनवरी 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

भिवंडी चुनाव के लिए भाजपा ने जारी किया घोषणा पत्र

आधुनिक शहर और बेहतर ट्रांसपोर्ट का रखा रोडमैप

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में 15 जनवरी को होने वाले नगर निकाय चुनाव से पहले सियासत तेज है। राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारी अब और तेज कर दी है। इसी बीच भाजपा ने 15 जनवरी को होने वाले भिवंडी-निजामपुर नगर निगम चुनाव के लिए अपना घोषणापत्र जारी कर दिया है। पार्टी ने वादा किया है कि भिवंडी को एक आधुनिक, सुरक्षित, साफ और रोजगार देने वाला शहर बनाया जाएगा। भिवंडी देशभर में अपने पावरलूम उद्योग के लिए जाना जाता है। बता दें कि गुरुवार

को एक रैली के दौरान भाजपा के प्रदेश महामंत्री माधवी नाइक ने भाजपा का घोषणा पत्र जारी किया। इसका विषय 'विकसित भारत के लिए विकसित भिवंडी' रखा गया है। घोषणापत्र में कहा गया है कि शहर की सभी प्रमुख सड़कों को सीमेंट-कंक्रीट से बनाया जाएगा, ताकि गड्ढों की समस्या खत्म हो सके।

शहर की परिवहन व्यवस्था सुधारने पर जोर

इसके साथ ही घोषणा पत्र में शहर की परिवहन व्यवस्था सुधारने की बात पर भी जोर दिया गया है। इसके लिए 200 इलेक्ट्रिक बसें जोड़ी जाएंगी। भिवंडी से ठाणे को जोड़ने वाली मेट्रो रेल लाइन नंबर 5 का काम भी तेजी से शुरू करने का वादा किया गया है। भाजपा ने शहर में क्लस्टर डेवलपमेंट और झुग्गी पुनर्विकास योजनाओं को लागू करने की बात कही है, ताकि लोगों को बेहतर घर और सुविधाएं मिल सकें। इतना ही नहीं पावरलूम और कपड़ा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए एक भव्य टेक्सटाइल भवन बनाने का भी एलान किया गया है। साथ ही, मोती उद्योग (पर्ल सेक्टर) में काम करने वाली महिलाओं के लिए विशेष योजनाएं लाने का वादा किया गया है। घोषणापत्र में कहा गया है कि हर घर तक पर्याप्त पानी की आपूर्ति की जाएगी।

नगर निगम के स्कूलों को हाईटेक बनाने पर जोर

इसके साथ ही, नगर निगम के स्कूलों को हाई-टेक डिजिटल स्कूल बनाया जाएगा, ताकि बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके। पर्यावरण सुधार के लिए पार्टी ने शहर में एक लाख पेड़ लगाने और प्रदूषण कम करने के लिए एंटी-स्मॉग गन लगाने की भी योजना बताई है। भाजपा का कहना है कि अगर पार्टी सत्ता में आती है, तो भिवंडी को विकास और रोजगार का बड़ा केंद्र बनाया जाएगा।

देवलाली - दानापुर शेतकरी समृद्धि विशेष गाड़ी के प्रस्थान स्टेशन में बदलाव

डीबीडी संवाददाता । भुसावल

भुसावल मंडल के देवलाली स्टेशन पर आगामी कुंभ मेले के दृष्टिगत चल रहे विकास और रखरखाव कार्यों के कारण, गाड़ी संख्या 01053 देवलाली – दानापुर शेतकरी समृद्धि विशेष गाड़ी के प्रस्थान स्टेशन में बदलाव किया गया है। यह ट्रेन दिनांक 10.01.2026 को देवलाली के स्थान पर नासिक रोड स्टेशन से अपने निर्धारित समय पर प्रस्थान करेगी; अतः यात्रियों से अनुरोध है कि वे किसी भी असुविधा से बचने के लिए इस परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए समय से पूर्व नासिक रोड स्टेशन पहुँचें।

केडीएमसी चुनाव

मुख्य चुनाव निरीक्षक गोरख सागर ने की तैयारियों की समीक्षा

डीबीडी संवाददाता । डोंबिवली

कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका के आगामी आम चुनाव 2025-26 को लेकर प्रशासनिक स्तर पर सक्रियता बढ़ गई है। नवनियुक्त मुख्य चुनाव निरीक्षक नीलेश गोरख सागर ने हाल ही में चुनावी इंतजामों का विस्तृत निरीक्षण किया और स्पष्ट चेतावनी दी कि चुनाव प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही या त्रुटि स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

उच्च स्तरीय बैठक और रणनीतिक निर्देश

निरीक्षण के दौरान कलेक्ट्रेट और निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इसमें चुनाव निरीक्षक पद्माकर रोकड़े, कमिश्नर अभिनव गोयल, एडिशनल कमिश्नर योगेश गोडसे और पुलिस उपायुक्त अतुल झेंडे सहित आरटीओ और सभी नोडल अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में मुख्य निरीक्षक ने विशेष रूप से 'वोटर टर्नआउट' के सटीक रिकॉर्ड और मतदान कर्मियों के गहन प्रशिक्षण पर जोर दिया, ताकि मतदान के दिन किसी भी प्रकार के संशय की स्थिति न रहे।

सुरक्षा घेरा और आधुनिक प्रेजेंटेशन

कमिश्नर अभिनव गोयल ने पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से अब तक की तैयारियों का खाका प्रस्तुत किया, जबकि पुलिस उपायुक्त अतुल झेंडे ने सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मतदान और मतगणना के दिन के लिए चाक-चौबंद सुरक्षा घेरा तैयार किया गया है और संवेदनशील केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा। अंत में, मुख्य निरीक्षक ने सभी नोडल अधिकारियों को आपसी तालमेल के साथ समयबद्ध रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने का आदेश दिया ताकि चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

रेलवे सुरक्षा आयुक्त ने किया भुसावल मंडल का निरीक्षण

डीबीडी संवाददाता । भुसावल

रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सेंट्रल सर्कल), मनोज अरोरा ने 08 जनवरी 2026 को मध्य रेल के भुसावल मंडल का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य रेल परिचालन की सुरक्षा सुनिश्चित करना और मंडल के तकनीकी प्रतिष्ठानों की कार्यक्षमता की जांच करना था। अपने निरीक्षण के दौरान उन्होंने आरओएच (ROH) डिपो, न्यू ओआरएच (New ORH) और फिल्टर प्लांट का सूक्ष्म अवलोकन किया। उन्होंने संरक्षा मानकों और उपकरणों के रखरखाव की स्थिति पर संतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों को कार्यप्रणाली को और अधिक आधुनिक बनाने के दिशा-निर्देश दिए।

संरक्षा व्यवस्था की समीक्षा और उच्च स्तरीय बैठक

निरीक्षण के पश्चात मंडल रेल प्रबंधक (DRM) कार्यालय में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मंडल रेल प्रबंधक पुनीत अग्रवाल और अपर मंडल रेल प्रबंधक (तकनीकी) एम. के. मीना सहित सभी वरिष्ठ शाखा अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान रेल परिचालन को शून्य दुर्घटना स्तर पर ले जाने और संरक्षा से जुड़े विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

10 से 12 जनवरी को विशेष ट्रैफिक और पावर ब्लॉक

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मध्य रेल, मुंबई डिवीजन द्वारा बुनियादी ढांचे में सुधार और विस्तार कार्यों के लिए 10 से 12 जनवरी 2026 के बीच विशेष ट्रैफिक और पावर ब्लॉक की घोषणा की गई है। मध्य रेल द्वारा बदलापुर स्टेशन पर 15 कोच वाली लोकल ट्रेनों की सुविधा हेतु प्लेटफॉर्म नंबर 2 के विस्तार और फुट ओवर ब्रिज (FOB) को हटाने का कार्य किया जाना है। इसके साथ ही, कल्याण-बदलापुर के बीच प्रस्तावित तीसरी और चौथी लाइन के काम तथा चिकलोली में नए गर्डर लॉन्च करने के लिए 10/11 जनवरी और 11/12 जनवरी की मध्यरात्रि को विशेष ब्लॉक लिया जाएगा।

ब्लॉक की समय-सारणी और प्रभावित सेक्शन

रेलवे द्वारा तीन चरणों में ब्लॉक संचालित किया जाएगा। पहला ब्लॉक 10/11 जनवरी को अंबरनाथ और वंगानी के बीच रात 00:00 से सुबह 05:00 बजे तक रहेगा। इसी रात अंबरनाथ-बदलापुर के बीच भी रात 01:30 से 04:00 बजे तक काम चलेगा। इसके अलावा, 11/12 जनवरी की रात को अंबरनाथ और बदलापुर के बीच डेढ़ घंटे का (01:45 से 03:15 बजे) ब्लॉक निर्धारित किया गया है।

लोकल ट्रेन सेवाओं पर असर

ब्लॉक अवधि के दौरान अंबरनाथ और वंगानी स्टेशनों के बीच उपनगरीय सेवाएं उपलब्ध नहीं होंगी। 10/11 जनवरी को सीएसएमटी-बदलापुर और बदलापुर-ठाणे लोकल रद्द रहेगी। वहीं, कर्जत जाने वाली कुछ ट्रेनों को अंबरनाथ में ही रोक दिया जाएगा (शॉर्ट टर्मिनेट) और वहीं से वापस चलाया जाएगा। यात्रियों की सुविधा के लिए ब्लॉक से पहले और बाद की अंतिम व पहली ट्रेनों का समय भी निर्धारित कर दिया गया है।

मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन

ब्लॉक के कारण लंबी दूरी की कई प्रमुख ट्रेनें जैसे कोणार्क एक्सप्रेस, विशाखापत्तनम-एलटीटी एक्सप्रेस और हैदराबाद-सीएसएमटी एक्सप्रेस प्रभावित होंगी। इन ट्रेनों को कर्जत-पनवेल-दिवा रूट से डायवर्ट किया जाएगा, जिससे वे अपने गंतव्य पर 10 से 20 मिनट की देरी से पहुँचेंगी। जिन ट्रेनों का कल्याण में स्टॉपेज है, उनके यात्रियों के लिए ठाणे और पनवेल में विशेष स्टॉप दिए गए हैं।

यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था

मध्य रेल ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे इस ब्लॉक के दौरान होने वाली असुविधा को ध्यान में रखते हुए अपनी यात्रा की योजना बनाएं। ब्लॉक के बाद छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के लिए कर्जत से पहली लोकल सुबह 03:35 बजे छूटेगी, जबकि ठाणे से कर्जत के लिए सुबह 05:00 बजे पहली ट्रेन उपलब्ध होगी। ऑपरेशनल आवश्यकताओं के अनुसार कुछ अन्य हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों के मार्ग में भी बदलाव किया जा सकता है।

वोटिंग राइट्स ऐप के प्रसार के लिए व्यापक अभियान शुरू

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे मनपा आयुक्त सौरभ राव और चुनाव निर्णय अधिकारी प्रज्ञा सावंत के मार्गदर्शन में नौपाड़ा-कोपरी प्रभाग समिति ने 'वोटिंग राइट्स ऐप' के प्रसार के लिए एक व्यापक अभियान शुरू किया है। इस डिजिटल पहल का उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सटीक और नागरिकों के लिए सुलभ बनाना है।

इस ऐप के माध्यम से मतदाता केवल एक क्लिक पर अपना नाम मतदाता सूची में जांच सकते हैं, पोलिंग स्टेशन की स्थिति जान सकते हैं और उम्मीदवारों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यह तकनीक विशेष रूप से पहली बार वोट देने वाले युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए काफी मददगार साबित हो रही है, जिससे मतदान को लेकर होने वाले भ्रम दूर हो रहे हैं।

जन-जागरूकता के लिए जमीनी प्रयास

नौपाड़ा प्रभाग समिति द्वारा इस अभियान को सफल बनाने के लिए डिजिटल मीडिया के साथ-साथ पारंपरिक प्रचार माध्यमों का भी प्रभावी उपयोग किया जा रहा है। स्वीप टीम के सदस्य खारकर अली और डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर रोड जैसे प्रमुख क्षेत्रों में लाउडस्पीकर, बैनर और पोस्टर के जरिए लोगों को जागरूक कर रहे हैं। डोर-टू-डोर मार्गदर्शन और लाइव प्रदर्शन के माध्यम से नागरिकों को ऐप डाउनलोड करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा है कि अब मतदान से जुड़ी सारी जानकारी मोबाइल पर उपलब्ध होने से उनकी परेशानी कम हो गई है।

परिमंडल वन अधिकारी 2.10 लाख लेते गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे एंटी करप्शन ब्यूरो ने 9 जनवरी 2026 को शाहपुर के परिमंडल वन अधिकारी भगवान जयराम भोईर (57) को 2,10,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में उनके सहयोगी वन रक्षक नीतेश हुकुमचंद राठौड़ (38) को भी आरोपी बनाया गया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ शाहपुर पुलिस स्टेशन में भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह पूरी कार्रवाई ठाणे एसीबी के पुलिस अधीक्षक शिवराज पाटील के मार्गदर्शन में अंजाम दी गई। मामले की पृष्ठभूमि के अनुसार, शिकायतकर्ता और उनके सहयोगियों ने अपने छह मालवाहक ट्रकों का उपयोग वन विभाग का सामान ढोने के लिए करने हेतु वन अधिकारियों से संपर्क किया था। आरोपियों ने शुरुआत में प्रति ट्रक 75 हजार रुपए के हिसाब से कुल 4.5 लाख रुपए की भारी भरकम मांग की थी।

प्लास्टिक और चाइनीज मांझे के विरुद्ध सख्त कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

राष्ट्रीय हरित अधिकरण और पर्यावरण विभाग के निर्देशों का पालन करते हुए ठाणे महानगरपालिका ने नायलॉन, प्लास्टिक और चाइनीज मांझे के भंडारण, बिक्री और उपयोग पर कड़ा प्रतिबंध लगा दिया है। मुख्य पर्यावरण अधिकारी मनीषा प्रधान के अनुसार, पिछले 6 दिनों में मनपा के सतर्कता दलों ने 856 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। इस व्यापक अभियान के दौरान 39.2 किलोग्राम प्लास्टिक और 5.5 किलोग्राम चाइनीज मांझा जब्त किया गया है, साथ ही उल्लंघन करने वालों से कुल 53,500 रुपए का जुर्माना वसूला गया है। यह कार्रवाई अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे के मार्गदर्शन में प्रदूषण नियंत्रण और घनकचरा प्रबंधन विभाग द्वारा सख्ती से अमल में लाई जा रही है।

मनपा ने 6 दिनों में 53,500 रुपए का जुर्माना वसूला

पर्यावरण को खतरा और नागरिकों से अपील

चाइनीज मांझा न केवल मानव जीवन और पक्षियों के लिए जानलेवा है, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करता है। यह मांझा 'बायोडिग्रेडेबल' नहीं होता, जिससे ड्रेनेज सिस्टम और जलाशयों को नुकसान पहुँचता है। साथ ही, विद्युत सुचालक (Electric Conductor) होने के कारण इससे बिजली की लाइनों में शॉर्ट सर्किट और दुर्घटनाओं का डर बना रहता है। ठाणे मनपा ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस जानलेवा मांझे का उपयोग न करें।

कुलगांव बदलापुर नपा उपाध्यक्ष चुनाव

राष्ट्रवादी की प्रियंका दामले निर्विरोध चुनी गई नपा उपाध्यक्ष

डीबीडी संवाददाता । बदलापुर

कुलगांव-बदलापुर नगर परिषद के उपाध्यक्ष चुनाव और मनोनीत पार्षदों के चयन की प्रक्रिया शुक्रवार को संपन्न हुई। कुलगांव-बदलापुर नगर परिषद के उपाध्यक्ष पद पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजीत पवार गुट) की प्रियंका दामले को निर्विरोध चुन लिया गया है। नपा अध्यक्ष रुचिता घोरपड़े की अध्यक्षता में आयोजित आम बैठक में भाजपा-राष्ट्रवादी गठबंधन की ओर से प्रियंका दामले ने नामांकन भरा था। विपक्षी खेमे से शिवसेना

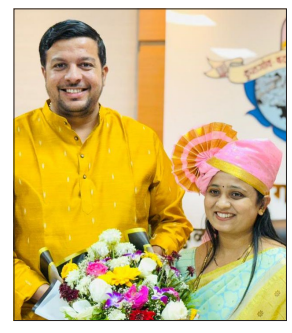

के अधिवक्ता संदेश धामधेरे ने भी पर्चा दाखिल किया था, लेकिन अंततः उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया।

चयनित सदस्यों के नाम

- भाजपा से: तुषार आपटे और शगोफ गोरे
- राष्ट्रवादी कांग्रेस (NCP) से: प्रभाकर पाटिल
- शिवसेना से: हेमंत चतुरे और दिलीप बैकर

पांच मनोनीत पार्षदों का चयन

उपाध्यक्ष चुनाव के साथ ही परिषद की सदस्य संख्या के आधार पर 5 मनोनीत (Co-OPTED) नगरसेवकों का भी चयन किया गया। गठबंधन के समीकरणों के तहत इसमें भाजपा और राष्ट्रवादी कांग्रेस को अधिक प्रतिनिधित्व मिला है।

दामले परिवार की 12 साल बाद वापसी

प्रियंका दामले के पति और एनसीपी नेता कैप्टन आशीष दामले भी पूर्व में इस नगर परिषद के उपाध्यक्ष रह चुके हैं। इस जीत के साथ करीब 12 साल के लंबे अंतराल के बाद एक बार फिर उपाध्यक्ष का पद दामले परिवार के पास लौटा है। निर्वाचन की घोषणा के बाद समर्थकों और गठबंधन के कार्यकर्ताओं ने जमकर जश्न मनाया।

शिवसेना का समर्थन और राजनीतिक सौहार्द

चुनाव प्रक्रिया के दौरान एक दिलचस्प मोड़ तब आया जब शिवसेना के नगर प्रमुख वामन म्हात्रे ने घोषणा की कि वे कैप्टन आशीष दामले के अनुरोध का सम्मान करते हुए अपने उम्मीदवार का नाम वापस ले रहे हैं। शिवसेना के सभी पार्षदों ने प्रियंका दामले की उम्मीदवारी का समर्थन किया, जिससे गठबंधन की मजबूती और स्थानीय स्तर पर आपसी समझ का परिचय मिला।

चुनाव ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों की तरफ से पोस्टल वोटिंग पर अच्छा प्रतिसाद

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे मनपा के आगामी 15 जनवरी को होने वाले मतदान के लिए कुल 11,500 कर्मचारियों को तैनात किया गया है। चूंकि राज्य की कई महानगरपालिकाओं के चुनाव एक ही दिन हो रहे हैं, इसलिए ड्यूटी पर तैनात ये कर्मचारी अपने गृह क्षेत्रों (जैसे मुंबई, कल्याण, पनवेल आदि) में जाकर वोट नहीं दे पाएंगे। उनके लोकतांत्रिक अधिकार को सुरक्षित रखने के लिए मनपा आयुक्त और चुनाव अधिकारी सौरभ राव ने डाक मतदान (पोस्टल वोटिंग) की विशेष सुविधा उपलब्ध कराई है, जिसे कर्मचारियों का सकारात्मक प्रतिसाद मिल रहा है।

डाक मतदान की प्रक्रिया और सुलभ व्यवस्था

डाक मतदान के नोडल अधिकारी और उपायुक्त दिनेश तायडे के अनुसार, ठाणे मनपा के 33 वार्डों के 2,013 पोलिंग स्टेशनों पर तैनात पुलिसकर्मियों और सरकारी कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में डाक मतपत्र स्वीकार किए हैं। कर्मचारियों ने निर्धारित प्रारूप भरकर अपने संबंधित वार्ड समिति के चुनाव अधिकारियों के पास जमा करा दिए हैं। मनपा प्रशासन ने उन कर्मचारियों से भी अपील की है जिन्हें अभी तक मतपत्र नहीं मिले हैं, वे तुरंत अपने चुनाव निर्णय अधिकारी के कार्यालय से संपर्क कर इसे प्राप्त करें ताकि 16 जनवरी की मतगणना से पूर्व उनके मत सुरक्षित किए जा सकें।

मध्य रेल
खुली ई–निविदा सूचना
क्र. कुर्ला–आर एस–वर्क्स–2025–07 दि. 27.12.2025.

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क.च.स्टा.) ई एम यु कुर्ला कारशेड मध्य रेल मुंबई – 400 070, खुली ई–निविदा वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से आमंत्रित करते हैं। **कार्य का विवरण** : एयर कंडीशन वाली इ एम यू रेक के लिए सिडवाल मेक रूफ माउंटेड पैकेज यूनिट (आर एम पी यू) के माइक्रोप्रोसेसर कंट्रोलर के खराब/दोषपूर्ण पार्ट्स की 2 साल तक मरम्मत और रिप्लेसमेंट। ई–निविदा सूचना क्र. कुर्ला–आर एस वर्क्स–2025–07 **कार्य की औसत लागत** : रु. 20,73,024/–(जीएसटी साहित) **बोली प्रतिभूति** : रु. 41,500/– **वैधता** : 60 दिन **समापन अवधि** : 24 महीने **अनुदेश: 1.** उपरोक्त निविदा 19.01.2026 को 11:00 बंद हो जायेगी तथा उसके बाद 11.15 को खोली जाएगी। **2.** भावी निविदाकर्ताओ से अनुरोध है कि निविदा के विवरण एवं शुद्धीपत्र (यदि कोई हो तो) की अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** को देखें। **3.** निविदाकर्ता केवल वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप से उपरोक्त ई–निविदा में भाग ले सकते हैं और ई–निविदा के लिए मैन्युअल प्रस्ताव प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है। मैन्युअल रूप से प्रस्तुत किए जाने पर न तो खोला जाएगा और न ही उस पर विचार किया जाएगा। **4.** आगे की अधिक जानकारी के लिए वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क.च.स्टा) ई एम यु कुर्ला कारशेड मध्य रेल मुंबई – 400070 पर संपर्क कर सकते हैं। **5.** औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग (डीआईपीपी) द्वारा इस्टार्टअप के रूप में मान्यता प्राप्त किसी भी फर्म को ऊपर वर्णित बोली सुरक्षा के भुगतान से छूट दी जाएगी। श्रम सहकारी समितियां ऊपर वर्णित उपरोक्त बोली सुरक्षा का केवल 50% ही जमा करेंगी। अधिक जानकारी के लिए जीसीसी कार्य 2022 या इसके नवीनतम संशोधन देखें। **6.** यह निविदा सार्वजनिक खरीद नीति आदेश 2017 दिनांक 15.06.2017 का अनुपालन करती है। 790

टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करे

मध्य रेल
निविदा सूचना क्र. आरआर/पीआर/एसएनपीडी/354/25–26/55

1. कार्य का विवरण : ट्रैक्शन मोटर सेक्शन की विभिन्न गतिविधियों का आउटसोर्सिंग 18 महीने की अवधि के लिए। **2. अनुमानित लागत** : Rs. 4639040 **3. ई एम डी** : Rs. 92800 **4. निविदा प्रपत्र का शुल्क** : NIL **5. समापन अवधी** : 18 महीना **6. निविदा जमा करने की तिथि एवं अवधी** : 16/01/2026, 13:00 बजे तक **7. बोली शुरू करने की तारीख** : 02/01/2026 **8.** टेंडर केवल ई टेंडरिंग में वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। टेंडर पंजिका वेबसाइट में उपलब्ध है। 788

टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करे

वर्ष : 34 | अंक : 304 | मुंबई, शनिवार, 10 जनवरी 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

प्रचार में झोंकी पूरी ताकत

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

पालघर और मीरा-भायंदर में किया चुनाव प्रचार

एक्शन मोड में सीएम फडणवीस

महाराष्ट्र में आगामी नगर निगम चुनावों के लिए राजनीतिक सरगर्मी तेज है। मतदान का दिन जैसे-जैसे नज़दीक आ रहा है, वैसे-वैसे चुनावी प्रचार तेज़ होता जा रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को पालघर और मीरा-भायंदर में चुनाव प्रचार किया। मुख्यमंत्री ने जनसभाओं को संबोधित कर भाजपा उम्मीदवारों के लिए वोट की अपील किया।

वसई-विरार बनेगा चौथी मुंबई : देवेंद्र फडणवीस

डीबीडी संवाददाता | पालघर

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने वसई-विरार शहर महानगर पालिका के पिछले प्रशासन पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि इस निकाय का इस्तेमाल कुछ प्रभावशाली लोगों की तिजोरियां भरने के लिए 'एटीएम' की तरह किया गया। एमएमआर क्षेत्र की अन्य नगर पालिकाओं की तुलना में यहाँ विकास की रफ्तार बेहद धीमी रही है। फडणवीस ने वादा किया कि यदि जनता महायुति को सत्ता सौंपती है, तो क्षेत्र से भ्रष्टाचार, और नागरिकों को दी जाने वाली धमकियों की संस्कृति का अंत कर एक पारदर्शी शासन की स्थापना की जाएगी।

बुनियादी ढांचे और परिवहन का कायाकल्प

क्षेत्र की कनेक्टिविटी को सुधारने के लिए मुख्यमंत्री ने कई बड़ी परियोजनाओं का खाका पेश किया। उन्होंने मीरा रोड से विरार तक 23 किलोमीटर लंबी मेट्रो लाइन (22 स्टेशन) के निर्माण का भरोसा दिलाया, जो इस क्षेत्र को मुंबई की मुख्य लाइन से सीधे जोड़ेगी। इसके अतिरिक्त, उन्होंने बताया कि उत्तान से विरार तक बनने वाली नई तटीय सड़क (कोस्टल रोड) से मुंबई तक का सफर मात्र 30 मिनट में पूरा होगा।

चुनावी रण और विकास का वादा

वसई-विरार शहर महानगर पालिका उन 29 नगर निकायों में शामिल है, जहाँ 15 जनवरी को मतदान होना है। मुख्यमंत्री ने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि सत्ता उन हाथों में होनी चाहिए जो जनता की सेवा करें, न कि लूट-खसोट में शामिल हों। उन्होंने विश्वास जताया कि 16 जनवरी को आने वाले नतीजे क्षेत्र में ं्रक्रांतिकारी बदलावं्र लेकर आएंगे और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन के एक नए युग की शुरुआत होगी।

लाड़ली बहना बनेंगी अब लखपति : फडणवीस

डीबीडी संवाददाता | मीरा-भाईंदर

मीरा-भाईंदर मनपा चुनाव प्रचार के आखिरी दिन आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शहर की जनता से विकास के कई वादे किए। उन्होंने आश्वासन दिया कि साल के अंत तक शहर को 24 घंटे शुद्ध पानी मिलेगा और इस महीने के अंत तक शहर में मेट्रो दौड़ने लगेगी। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा शहर के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव समर्पित है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि जिस तरह देश और राज्य का विकास हो रहा है, मीरा-भाईंदर में भाजपा की सत्ता आने के बाद विकास कार्यों को वैसी ही गति मिलेगी। मुंबई से उत्तन और उत्तन से विरार तक दो कोस्टल रोड का निर्माण कार्य शीघ्र शुरू किया जाएगा। भविष्य में कोस्टल रोड और मेट्रो जैसी सुविधाओं से स्थानीय नागरिकों के लिए ठाणे और मुंबई का सफर सुलभ और सुरक्षित होगा। विरोधियों पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि मेरी बहनों से मेरा वादा है कि जब तक देवा भाऊ हैं, लाड़ली बहना योजना बंद नहीं होगी। अब मैं अपनी बहनों को 'लखपति दीदी' बनाने के लिए संकल्पित हूँ।

विकास कार्यों और बुनियादी ढांचा

मुख्यमंत्री ने शहर के अहम मुद्दों पर घोषणाएं कीं कि कार्यों में बाधा बन रही नमक विभाग की जमीनों का हस्तांतरण कर उन्हें सुनियोजित तरीके से विकसित किया जाएगा। शहर को जल्द ही गड्ढामुक्त करने का वादा किया। नागरिकों की सुविधा के लिए क्लस्टर योजना की नीति में आवश्यक बदलाव किए जाएंगे और झोपड़पट्टी पुनर्वसन योजना (SRA) भी शुरू की जाएगी।

सामाजिक सद्भाव और आधुनिक भवन

मीरा-भाईंदर की सांस्कृतिक विविधता की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि यहाँ विभिन्न समाज के लोग मिलजुल कर रहते हैं। विधायक नरेंद्र मेहता की मांग पर संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार की ओर से एक भव्य और आधुनिक भवन का निर्माण किया जाएगा, जहाँ सभी समाज के लोग अपने कार्यक्रम आयोजित कर सकेंगे।

अजब सियासत की गजब कहानी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र की सत्ता में साथ रहने वाली शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) और राकांपा (अजित पवार गुट) ने अंबरनाथ नगर परिषद में अपनी ही सहयोगी भाजपा को सत्ता से बाहर रखने के लिए हाथ मिला लिया है। शुक्रवार को इन दोनों दलों ने एक निर्दलीय सदस्य के साथ मिलकर अपना नया समूह बनाया है। इस कदम ने स्थानीय निकाय के समीकरणों को पूरी तरह बदल दिया है। शिवसेना के वरिष्ठ नेताओं ने पुष्टि की है कि राकांपा और निर्दलीय सदस्य के साथ मिलकर जिला प्रशासन को गठबंधन का पत्र सौंप दिया है। यह कदम भाजपा की उन योजनाओं को विफल करने के लिए उठाया गया है, जिसके तहत वह कांग्रेस के बागी पार्षदों के दम पर नगर परिषद पर कब्जा करने की तैयारी कर रही थी।

अंबरनाथ में भाजपा को सत्ता से दूर रखने के लिए शिवसेना-राकांपा ने किया गठबंधन

कांग्रेस के बागियों का भाजपा में प्रवेश

इस पूरे विवाद की जड़ वह घटनाक्रम था, जिसमें कांग्रेस से निलंबित किए गए 12 पार्षद भाजपा में शामिल हो गए थे। भाजपा ने अपनी कट्टर प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के बागियों के साथ मिलकर 'अंबरनाथ विकास आघाडी' (एवीए) बनाई थी, ताकि शिवसेना को दरकिनार किया जा सके। लेकिन अब शिवसेना और राकांपा के नए गठबंधन ने भाजपा की इस रणनीति को तगड़ा झटका दिया है।

चुनाव परिणाम और सीटों का गणित

60 सदस्यीय अंबरनाथ नगर परिषद के हालिया चुनाव में शिवसेना 27 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। वहीं भाजपा को 14, कांग्रेस को 12, राकांपा को 4 और निर्दलीयों को 2 सीटें मिली थीं। बहुमत के लिए 31 सीटों की आवश्यकता है, और भाजपा ने शुरू में कांग्रेस और राकांपा के साथ मिलकर 32 सदस्यों का जुगाड़ कर लिया था। भाजपा और कांग्रेस के बीच हुए इस 'असामान्य' गठबंधन से कांग्रेस आलाकमान को काफी शर्मिंदगी झेलनी पड़ी थी। इसके चलते पार्टी ने बुधवार को अपने सभी 12 नवनिर्वाचित पार्षदों और एक प्रखंड अध्यक्ष को निलंबित कर दिया। इसी राजनीतिक अस्थिरता का लाभ उठाते हुए शिवसेना और अजित पवार की राकांपा ने अपने पुराने मतभेद भुलाकर नया मोर्चा तैयार किया।

नया बहुमत और सत्ता का दावा

ताजा घटनाक्रम के बाद अब शिवसेना (27), राकांपा (4) और एक निर्दलीय सदस्य को मिलाकर इस नए गठबंधन की कुल संख्या 32 हो गई है। इस जादुई आंकड़े के साथ अब यह गुट नगर परिषद में सरकार बनाने का प्रबल दावेदार बन गया है। हालांकि, नगर परिषद अध्यक्ष भाजपा से हैं, लेकिन पार्षदों के इस नए ध्रुवीकरण ने अंबरनाथ की राजनीति को बेहद दिलचस्प बना दिया है।

सिम कार्ड फ्रॉड का भंडाफोड़

- 100 करोड़ की ठगी का आरोपी कोलाबा से गिरफ्तार
- मुंबई-यूपी से कंबोडिया तक भेजा जा रहा था सिम कार्ड

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई और उत्तर प्रदेश पुलिस के संयुक्त अभियान में एक ऐसे अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है, जो 'डिजिटल अरेस्ट' और 'स्टॉक मार्केट' निवेश के नाम पर करोड़ों की ठगी कर रहा था। इस कार्रवाई में मुंबई के कोलाबा से शिहान इश्तियाक शेख नामक अपराधी को गिरफ्तार किया गया है। यह गिरफ्तारी साइबर अपराध के एक बहुत बड़े नेटवर्क को ध्वस्त करने की दिशा में बड़ी कामयाबी मानी जा

10,000 सिम कार्ड और 100 करोड़ की ठगी

जांच में सामने आया कि शिहान शेख मुंबई से थोक में सिम कार्ड खरीदकर उत्तर प्रदेश ले जाता था। वहां वह इन्हें अपने गिरोह के सदस्यों को 1000 से 1200 रुपये में बेचता था। पिछले तीन सालों में इस गिरोह ने लगभग 10,000 सिम कार्ड सक्रिय किए, जिनके माध्यम से देशभर के निर्दोष लोगों से 100 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी को अंजाम दिया गया। यह गिरोह केवल भारत तक सीमित नहीं था। आरोपी एक्टिवेटेड सिम कार्डों को कंबोडिया में बैठे साइबर अपराधियों को भेजते थे।

कई महीनों से फरार था वांटेड अपराधी

शिहान शेख पिछले कई महीनों से फरार था और उस पर यूपी पुलिस ने 50,000 रुपये का इनाम घोषित किया था। वह मुंबई के कोलाबा में एक ट्रेवल्स कंपनी में पहचान छिपाकर काम कर रहा था। यूपी एसटीएफ (STF) और मुंबई क्राइम इंटेलिजेंस यूनिट (CIU) ने खुफिया जानकारी के आधार पर छापेमारी कर उसे दबोच लिया, जहां से वह अपना अवैध नेटवर्क संचालित कर रहा था।

ब्रीफ न्यूज़

महायुति ने गंवा दिए चार वार्ड

मुंबई। महाराष्ट्र में बागियों को आखिरी समय तक नामांकन पत्र दाखिल करने से रोकने की कोशिश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) -शिव सेना (शिंदे समूह) के नेतृत्व वाले महायुति ने नगर निगम चुनाव प्रक्रिया के दौरान कड़ी गोपनीयता बनाए रखी। इस बीच आखिरी समय की गड़बड़ी के कारण यह सामने आया है कि महायुति चार वार्डों में उम्मीदवार खड़े करने में नाकाम रही है, जिससे नतीजे घोषित होने से पहले ही ये सीटें हाथ से निकल गयी हैं। नतीजतन, कुल 227 वार्डों में से महायुति के उम्मीदवार सिर्फ 223 वार्डों में ही चुनाव लड़ेंगे। पूरे राज्य में 69 जगहों पर उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए हैं, जिनमें से ज़्यादातर भाजपा और शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के हैं।

कार में 16 लाख रुपये का कैश बरामद, जांच जारी

नवी मुंबई। नवी मुंबई के वाशी इलाके में आचार संहिता के दौरान चुनाव अधिकारियों ने शुक्रवार को एक कार में से 16.16 लाख रुपये का कैश बरामद किया है। इस मामले की गहन छानबीन पकड़ा गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। चुनाव अधिकारी निर्वाचन अधिकारी सागर ने बताया कि नवी मुंबई में आचार संहिता के दौरान सुबह 16 लाख 16 हजार रुपये ले जा रही एक कार पकड़ी गई है। इस कार्रवाई की सूचना आयकर विभाग को दी गई है। हालांकि नवी मुंबई पुलिस की टीम इस मामले की छानबीन कर रही है। अभी तक इस मामले में किसी भी आरोपित को गिरफ्तार नहीं किया गया है। मामले की छानबीन जारी है।

15 जनवरी को सार्वजनिक छुट्टी घोषित

- सरकारी आदेश जारी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग ने 29 महानगरपालिकाओं के आगामी चुनावों के लिए तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। लोकतंत्र के इस महापर्व में मतदाताओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ने मतदान के दिन यानी 15 जनवरी गुरुवार को संबंधित चुनावी क्षेत्रों में सार्वजनिक अवकाश (Public Holiday) की घोषणा की है।

स्कूलों के अलावा कहां-कहां रहेगी छुट्टी?

राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार, यह अवकाश केवल उन 29 नगर निकाय क्षेत्रों में लागू होगा जहां 15 जनवरी को मतदान होना है। वहां के सभी सरकारी और अर्ध-सरकारी कार्यालयों, निगमों, बोर्डों और सार्वजनिक उपक्रमों (PSUs), सभी बैंक, केंद्र सरकार के क्षेत्रीय कार्यालयों में एक दिन की छुट्टी रहेगी।

सख्त कार्रवाई की चेतावनी

राज्य निर्वाचन आयुक्त दिनेश वाघमारे ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि चुनाव ड्यूटी के लिए नियुक्त अधिकारियों और कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से प्रशिक्षण पूरा करना होगा। जो अधिकारी प्रशिक्षण सत्रों से अनुपस्थित रहेंगे, उनके खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

वाशी वार्ड 17-ए के बीजेपी उम्मीदवार निलेश भोजने को मिली राहत

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने नवी मुंबई महानगरपालिका चुनाव में वाशी वार्ड 17-ए से भाजपा उम्मीदवार निलेश भोजने के पक्ष में बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) द्वारा उनके नामांकन को रद्द करने के आदेश को अवैध मानते हुए भोजने के पर्चे को वैध घोषित कर दिया है। इससे पहले, शिवसेना जिला प्रमुख किशोर पाटकर की शिकायत पर आरओ ने 'अवैध निर्माण' का हवाला देकर उनका नामांकन खारिज कर दिया था।

मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम ए. अंखड़ की पीठ ने स्पष्ट किया कि नामांकन खारिज करने का आधार केवल मौजूदा पार्षदों पर लागू होता है, न कि चुनाव लड़ने वाले नए उम्मीदवारों पर। हाई कोर्ट ने अपनी सुनवाई के बाद वार्ड 17-ए के चुनाव पर लगी अंतरिम रोक को हटा दिया है और राज्य चुनाव आयोग (SEC) को निर्देश दिया है कि निलेश भोजने का नाम आधिकारिक उम्मीदवारों की सूची में तुरंत शामिल किया जाए। हालांकि चुनाव आयोग ने दलील दी थी कि ईवीएम तैयार करने और मतपत्र छपने का काम अंतिम चरण में है।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने खारिज की बीएमसी चुनाव से संबंधित याचिका

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने शुक्रवार को सामाजिक कार्यकर्ता मोजम अली मीर की याचिका खारिज कर दी। याचिका में आरोप था कि मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के 15 जनवरी को होने वाले चुनावों के लिए जमा किए गए कई नामांकन फॉर्मों को चुनाव अधिकारियों ने छोटी-छोटी तकनीकी गलतियों के आधार पर खारिज कर दिया। याचिका की सुनवाई बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली बेंच ने की। अदालत ने याचिका खारिज कर दी क्योंकि याचिकाकर्ता स्वयं चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार नहीं थे और उनका इस मामले में कोई अधिकार नहीं था। बता दें कि याचिका में कहा गया था कि नामांकन फॉर्म जमा करने के लिए कई नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) मांगे गए, जो कि राज्य चुनाव आयोग की आधिकारिक सूची में शामिल नहीं थे।

एनओसी विवाद में उम्मीदवार नहीं थे याचिकाकर्ता

याचिका में लगाए गए अन्य भी कई आरोप

साथ ही याचिका में आरोप लगाया गया कि बीएमसी के 227 वार्डों में रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) ने हजारों उम्मीदवारों को गैरकानूनी और तकनीकी कारणों से चुनाव से बाहर किया, जिससे सत्ताधारी पार्टी को लाभ मिला।कैंडिडेट्स से जल विभाग, संपत्ति कर, भवन कानूनी अनुमति और पुलिस क्लियरेंस सर्टिफिकेट (पीसीसी) के एनओसी मांगे गए। याचिका में मीर ने कहा कि चूंकि ये विभाग नगर निगम के अधीन हैं, इसलिए एनओसी देने में विलंब या रोक कर विपक्ष और स्वतंत्र उम्मीदवारों की राह मुश्किल बनाई गई। वहीं मुंबई नगर आयुक्त और जिला चुनाव अधिकारी के वकील जोएल कार्लोस ने अदालत को बताया कि मीर चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार नहीं हैं, इसलिए उनका इस मामले में कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने याचिका को खारिज करने की मांग की।

28 जनवरी से संसद का बजट सत्र, 1 फरवरी को बजट

शीतकालीन सत्र में VB-G RAM G बिल सहित 8 बिल हुए थे पास

एजेंसी | नई दिल्ली

संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से 2 अप्रैल तक चलेगा। केंद्रीय बजट 1 फरवरी (रविवार) को पेश किया जाएगा। सत्र दो चरणों में होगा। पहला चरण 13 फरवरी को खत्म होगा। इसके बाद सत्र की कार्रवाई 9 मार्च से दोबारा शुरू होगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 28 जनवरी को दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी।

30 जनवरी को इकॉनॉमिक सर्वे

संसद में 30 जनवरी को बैठक करेगी। उस दिन इकॉनॉमिक सर्वे पेश किया जाएगा। 31 जनवरी को लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित रहेगी। राष्ट्रपति के संबोधन और केंद्रीय बजट पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के बाद, संसद 13 फरवरी से लगभग एक महीने की अवकाश अवधि के लिए स्थगित होगी। संसद 9 मार्च को पुनः बैठक करेगी और सत्र 2 अप्रैल, गुरुवार को समाप्त होगा। आधिकारियों ने बताया कि आमतौर पर संसद शुक्रवार को स्थगित की जाती है।

कार्रवाई | बड़े घोटाले का भंडाफोड़, चार के खिलाफ मामला दर्ज

फर्जी धार्मिक ट्रस्ट की आड़ में 4.73 करोड़ की धोखाधड़ी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र एटीएस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस गिरोह ने 'गुलज़ार-ए-रज़ा' नामक एक फर्जी धार्मिक और चैरिटेबल ट्रस्ट बनाकर लोगों की धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया। एटीएस ने इस मामले में चार आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी का केस दर्ज किया है, जिन्होंने जाली दस्तावेजों के आधार पर आम जनता से लगभग 4.73 करोड़ रुपये की वसूली की।

जाली दस्तावेजों और फर्जी रजिस्ट्रेशन का खेल

जांच में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि इस कथित ट्रस्ट का किसी भी सरकारी एजेंसी के साथ कोई वैध पंजीकरण नहीं था। आरोपियों ने फर्जी रजिस्ट्रेशन नंबर, जाली पैन कार्ड और फर्जी बैंक स्टेटमेंट तैयार किए थे। एटीएस के अनुसार, ट्रस्ट द्वारा इस्तेमाल किया गया पंजीकरण नंबर वास्तव में अहिल्यानगर की किसी अन्य संस्था का था।

चार मुख्य आरोपियों की पहचान

एटीएस ने इस मामले में जिन चार लोगों को आरोपी बनाया है, उनके नाम इमरान कलीम शेख (बीड), मुजम्मिल नूर सैयद (माजलगांव), अहमदुद्दीन क़ैसर काज़ी (बीड) और तौफीक जावेद क़ैसर काज़ी (मुंबई) हैं। ये सभी आरोपी खुद को ट्रस्टी बताकर अलग-अलग बैंक खातों का संचालन कर रहे थे। पुलिस ने इनमें से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि शेष दो की तलाश में छापेमारी जारी है।

एटीएस के सत्यापन अभियान में हुआ खुलासा

यह पूरा फर्जीवाड़ा एटीएस की छत्रपति संभाजीनगर इकाई द्वारा चलाए गए नियमित सत्यापन अभियान के दौरान उजागर हुआ। राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर जब विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों (NGOs) और ट्रस्टों की जांच की जा रही थी, तब अधिकारियों की नजर इस ट्रस्ट की वेबसाइट पर पड़ी। वेबसाइट पर दिए गए संदिग्ध बैंक विवरणों और दान की अपीलों ने जांच अधिकारियों का ध्यान खींचा, जिसके बाद गहन जांच शुरू की गई। गहन पड़ताल में पता चला कि यह ट्रस्ट न तो बीड के चैरिटी कमिश्नर कार्यालय में पंजीकृत था और न ही केंद्र सरकार के अनिवार्य 'दर्पण' पोर्टल पर सूचीबद्ध था। आरोपियों ने आयकर विभाग को भी फर्जी बैंक स्टेटमेंट सौंपकर धन के वास्तविक लेन-देन को छिपाने का प्रयास किया था।

संपादकीय

ईरान में महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन

ईरान में बढ़ती महंगाई के खिलाफ हो रहे प्रदर्शन अब एक गंभीर राष्ट्रीय संकट का रूप ले चुके हैं। आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में तेज़ वृद्धि, बेरोज़गारी, मुद्रा अवमूल्यन और आमदनी में ठहराव ने आम जनता को सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर कर दिया है। यह आंदोलन केवल आर्थिक असंतोष तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसके दौरान हुई मौतों और व्यापक दमन ने इसे मानवीय त्रासदी में बदल दिया है। आर्थिक आंकड़ों पर नज़र डालें तो ईरान की वार्षिक महंगाई दर 40 प्रतिशत से अधिक बताई जा रही है। कुछ खाद्य वस्तुओं की कीमतों में पिछले एक वर्ष में 60 से 70 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ईरानी मुद्रा रियाल का मूल्य ऐतिहासिक रूप से गिर चुका है और एक अमेरिकी डॉलर के मुकाबले यह लगभग 14 लाख रियाल तक पहुँच गया है। इस गिरावट ने आयातित वस्तुओं—जैसे दवाइयाँ, ईंधन और खाद्यान्न—को बेहद महंगा बना दिया है। इन हालातों के विरोध में देश के लगभग सभी 31 प्रांतों में प्रदर्शन देखने को मिले। तेहरान, मशहद, इस्फ़हान, शीराज़ और तबरीज़ जैसे बड़े शहरों के साथ-साथ छोटे कस्बों में भी लोग सड़कों पर उतरे। शुरुआत में प्रदर्शन शांतिपूर्ण थे, लेकिन धीरे-धीरे सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव बढ़ता गया। मानवाधिकार संगठनों और स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, इन झड़पों में अब तक कम से कम 40 से 50 लोगों की मौत हो चुकी है। सैकड़ों लोग घायल हुए हैं और लगभग 2,000 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। प्रदर्शनों के दौरान कई स्थानों पर इंटरनेट सेवाओं को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया, ताकि सूचनाओं के प्रसार को रोका जा सके। सुरक्षा बलों द्वारा आँसू गैस, रबर बुलेट और कुछ मामलों में गोलीबारी के इस्तेमाल के आरोप भी लगे हैं। मरने वालों में युवा, मजदूर और आम नागरिक शामिल हैं, जिससे जनता में भय और आक्रोश दोनों बढ़े हैं। महंगाई का सबसे अधिक असर निम्न और मध्यम वर्ग पर पड़ा है। सरकारी कर्मचारियों, शिक्षकों और पेंशनभोगियों की आय महंगाई के अनुपात में नहीं बढ़ी है। कई परिवारों के लिए रोटी, दूध और दवाइयों का खर्च उठाना मुश्किल हो गया है। इसी आर्थिक दबाव ने लोगों को केवल कीमतों के खिलाफ ही नहीं, बल्कि शासन की आर्थिक नीतियों और भ्रष्टाचार के खिलाफ भी आवाज़ उठाने के लिए प्रेरित किया है।

भारतीय व्यापार : वर्तमान स्थिति और भविष्य

आलोक सिंह
अपर जिला सहकारी अधिकारी
तहसील ऊंचाहार
जनपद रायबरेली

भारतीय व्यापार यानी एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट और आंतरिक व्यावसायिक गतिविधियां देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। वैश्विक अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक मंदी के बावजूद भारत का व्यापार क्षेत्र सतत विकसित हो रहा है। 2025-26 के आंकड़े बताते हैं कि भारतीय व्यापार मजबूती और चुनौतियों दोनों का सामना कर रहा है, जिस पर आगे विस्तार से विचार करेंगे। निर्यात की बात करें तो भारत के कुल निर्यात (वस्तु और सेवा) ने वित्त वर्ष 2024-25 में अपने इतिहास में सबसे बड़े स्तर का आंकड़ा दर्ज कियाः लगभग USD 825.25 बिलियन तक पहुँचा, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 6.05% की वृद्धि थी। वहीं 2025-26 की पहली छमाही (अप्रैल–सितंबर) में निर्यात USD 418.91 बिलियन तक बढ़ा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से लगभग 5.86% अधिक रहा। इससे यह स्पष्ट होता है कि भारत की निर्यात क्षमता वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी मजबूती से उभर रही है।

माल निर्यात में हाल ही में नवंबर 2025 में भारी वृद्धि दर्ज हुई, जिसके कारण भारत का व्यापार घाटा लगभग 61% घटकर USD 6.6 बिलियन हो गया — निर्यात में 15.5% की वृद्धि और आयात में मामूली कमी इसके पीछे मुख्य वजहें रहीं। निर्यात के प्रमुख क्षेत्र इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग गुड्स, दवा, पेट्रोलियम उत्पाद, रत्न-आभूषण तथा कृषि वस्तुएं हैं, जिनकी मांग वैश्विक बाजारों में अधिक बनी हुई है। आयात के संदर्भ में नई अर्थव्यवस्था कि अक्टूबर 2025 में सामान के आयात एक सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुँच गए, करीब USD 76.1 बिलियन, जिसका मुख्य कारण सुनहरी मांग और ऊंचे कच्चे तेल की खरीद थी। इससे व्यापार घाटा बढ़ा और चालू खाता घाटा भी प्रभावित हुआ। लेकिन नवंबर 2025 में आयात लगभग USD 62.66 बिलियन तक गिर गया, मुख्य रूप से सोने के आयात में भारी कमी के कारण। यह संकेत है कि भारत अपनी आपूर्ति श्रृंखला और मांग-आधारित आयात को संतुलित करने में सक्षम है।

भारत का व्यापार घाटा कई वर्षों से एक चुनौती रहा है। हालांकि निर्यात बढ़ रहा है, आयात में उतार-चढ़ाव और कच्चे माल पर निर्भरता देखते हुए व्यापार संतुलन को लंबी अवधि में सुधारने की आवश्यकता है। 2023-24 के आंकड़ों के मुताबिक भारत का कुल व्यापार घाटा लगभग USD 78.12 बिलियन रहा, जिसमें निर्यात और आयात दोनों का संयुक्त प्रभाव शामिल है। यह व्यापार घाटा घरेलू विनिर्माण क्षमता और कृषि एवं तकनीकी उत्पादों की निर्यात क्षमता को और सुदृढ़ करने की आवश्यकता को भी स्पष्ट करता है। भारत की सेवा निर्यात, विशेष रूप से आईटी और सॉफ्टवेयर सेवाएँ, वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक बनी हुई हैं। इस क्षेत्र ने 2024-25 में लगभग USD 387.54 बिलियन का निर्यात दर्ज किया, जिसका 13.63% का मजबूत वृद्धि दर रहा। सेवा क्षेत्र की निर्यात वृद्धि वैश्विक डिजिटल मांग और भारत की तकनीकी दक्षता का प्रत्यक्ष परिणाम है। राज्यों के स्तर पर भी तकनीकी और निर्यात सुविधाओं में वृद्धि स्पष्ट दिख रही है। उदाहरण के लिए, उत्तर प्रदेश ने आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है, इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 2017 के 3,862 करोड़ से बढ़कर 2024-25 में 44,744 करोड़ तक पहुँच गया है। इसमें आईटी सेवाओं का निर्यात भी लगभग 82,055 करोड़ तक पहुंचा है। वैश्विक व्यापार पर अमेरिका की टैरिफ नीतियों का प्रभाव भी भारतीय व्यापार पर पड़ रहा है। अमेरिकी बाजार में निर्यात पर उच्च टैरिफ से भारत को चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, और निर्यात की विविधता व कृषि क्षेत्र में सुधार जैसे कदम इसे मजबूत करेंगे। भू-राजनीतिक तनाव, जैसे रूस-यूक्रेन संघर्ष और वैश्विक मुद्रास्फीति, भी व्यापार निर्णयों तथा निवेश धाराओं को प्रभावित कर रहे हैं। इसी के बावजूद भारत विभिन्न देशों के साथ रणनीतिक साझेदारियाँ विकसित कर रहा है, जिससे नई बाजारों तक पहुंच और निवेश प्राप्त करने में मदद मिलती है। आगे चलकर भारत के व्यापार की दिशा नीति सुधार, तकनीकी सुदृढ़ीकरण तथा वैश्विक भागीदारी को मजबूत करने की ओर है। निर्यात में विविधता लाना, Make in India जैसे कार्यक्रमों से विनिर्माण क्षमता बढ़ाना और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाना प्राथमिक लक्ष्य हैं। लॉजिस्टिक्स हब, निवेश को आसान बनाने वाली नीतियाँ, तथा निर्यात-लक्षित उद्योगों को प्रोत्साहन भी इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। कुलमिलाकर, भारतीय व्यापार वर्तमान में उभरते अवसरों और स्पष्ट चुनौतियों दोनों का मिश्रण है। निर्यात की निरंतर वृद्धि, डिजिटल और सेवा-आधारित निर्यात का मजबूत प्रदर्शन, तथा कुछ अस्थिर वैश्विक परिस्थितियों का सामना करते हुए भी भारत की व्यापार नींव मजबूत बनी हुई है। नीतियों, निवेश, तकनीकी क्षमता और निर्यात-विविधीकरण के माध्यम से भारत आने वाले दशक में वैश्विक व्यापार में अपनी हिस्सेदारी और अधिक मजबूती से बढ़ा सकता है।

शख्सियत

रॉड स्टीवर्ट

संगीत और जुनून का सफर

रॉड स्टीवर्ट का जन्म 10 जनवरी 1945 को उत्तरी लंदन, इंग्लैंड में हुआ था। उनके पिता स्कॉटिश थे और रॉड अपने पांच भाई-बहनों में सबसे छोटे थे।

संगीत की दुनिया में कदम रखने से पहले उनका झुकाव फुटबॉल की ओर था, लेकिन जल्द ही उनकी अनूठी 'रैस्पी' (कर्कश) आवाज ने उन्हें रॉक और पॉप संगीत का सितारा बना दिया।

मैं कभी पीछे मुड़कर नहीं देखता। मैं हमेशा आगे देखता हूँ और सोचता हूँ कि अगली अच्छी चीज़ क्या होने वाली है। मेरा मानना है कि आपको जीवन के हर पल का आनंद लेना चाहिए, क्योंकि आप कभी नहीं जानते कि यह कब खत्म हो जाएगा। मैं एक ऐसा व्यक्ति हूँ जो हमेशा आधा भरा हुआ गिलास देखता है, आधा खाली नहीं। अगर आप कुछ करना चाहते हैं, तो उसे पूरे दिल से करें। आधा-अधूरा प्रयास कभी भी महान परिणाम नहीं देता। मंच पर जाना और लोगों को खुश करना मेरे लिए किसी नशे से कम नहीं है। यही वह चीज़ है जो मुझे जवान बनाए रखती है। पैसा आपको आराम दे सकता है, लेकिन यह आपको वह खुशी नहीं दे सकता जो एक रचनात्मक काम को पूरा करने के बाद मिलती है। लोग क्या सोचते हैं, इसकी चिंता करना छोड़ दें। जब तक आप खुद की नजरों में सही हैं, सब कुछ ठीक है। मैंने कभी खुद को बहुत गंभीरता से नहीं लिया। मुझे लगता है कि यह एक लंबा और सुखी जीवन जीने का रहस्य है। सफलता का मतलब यह नहीं है कि आपके पास क्या है, बल्कि यह है कि आप कौन हैं और आपने दूसरों के जीवन को कैसे प्रभावित किया है। शादी करने के बजाय, बस एक ऐसी महिला को ढूँढो जिसे तुम पसंद नहीं करते और उसे एक घर दे दो। परिणाम वही होगा! उम्र सिर्फ एक संख्या है। अगर आप अपने काम से प्यार करते हैं, तो आप कभी बूढ़े नहीं होंगे। किस्मत वह है जो तब होती है जब तैयारी और अवसर का मिलन होता है। शोहरत आनी-जानी चीज़ है, लेकिन आपकी काबिलियत हमेशा आपके पास रहती है। जीवन एक पार्टी की तरह है, आपको बस यह पता होना चाहिए कि कब नाचना है और कब रुकना है। जब तक आपके पास एक सपना है और उसे पूरा करने की भूख है, तब तक आप जवान हैं। मेरा गला एक वाद्य यंत्र की तरह है; मुझे इसकी देखभाल करनी पड़ती है, लेकिन मैं इसे बहुत गंभीरता से लेकर अपना मज़ा खराब नहीं करता। एक रॉकस्टार होने का सबसे अच्छा हिस्सा यह नहीं है कि आपके पास पैसा है, बल्कि यह है कि आप अपनी शर्तों पर अपनी जिंदगी जी सकते हैं। फुटबॉल मेरा पहला प्यार था, लेकिन संगीत ने मुझे वह पहचान दी जो मैं हमेशा से चाहता था। जब आप युवा होते हैं, तो आप दुनिया जीतना चाहते हैं। जब आप परिपक्व होते हैं, तो आप बस अपनों के साथ शांति चाहते हैं। हर गाने के पीछे एक कहानी होती है। यदि आप कहानी नहीं सुना पा रहे हैं, तो आप सिर्फ शोर मचा रहे हैं। मैंने अपनी शैली खुद बनाई है। मैंने कभी किसी की नकल करने की कोशिश नहीं की, क्योंकि आप किसी और का बेहतर संस्करण नहीं बन सकते। जिंदगी में उतार-चढ़ाव तो आएंगे ही, महत्वपूर्ण यह है कि आप नीचे गिरने पर कितनी जल्दी वापस खड़े होते हैं। महान संगीत वह है जो समय की कसौटी पर खरा उतरे। अगर लोग 20 साल बाद भी आपका गाना गुनगुना रहे हैं, तो आप सफल हैं। मैं हमेशा से एक साधारण लड़का था जिसे बस गाना पसंद था। सफलता ने मेरा घर बदला, मेरा दिल नहीं। यदि आप अपने काम का आनंद नहीं ले रहे हैं, तो आप अपना समय बर्बाद कर रहे हैं। जुनून ही हर चीज़ का आधार है।

जीवन मंत्र

ईश्वर को समर्पण और कर्म का मार्ग

समर्पण का सबसे बड़ा लाभ यह है कि व्यक्ति फल की चिंता से मुक्त हो जाता है। सफलता उसे अहंकारी नहीं बनाती और असफलता उसे तोड़ती नहीं।

मनुष्य का जीवन कर्म और समर्पण के बीच संतुलन साधने की निरंतर यात्रा है। एक ओर कर्म करना उसका स्वभाव और दायित्व है, तो दूसरी ओर कर्म के फल की चिंता उसे भीतर से कमजोर बना देती है। ऐसे में जीवन को सरल, शांत और सार्थक बनाने का श्रेष्ठ मार्ग यही है कि व्यक्ति स्वयं को ईश्वर को सौंपकर निरंतर कर्म करता रहे। ईश्वर को स्वयं को सौंपने का अर्थ यह नहीं है कि मनुष्य प्रयास करना छोड़ दे या भाग्य के सहारे बैठ जाए। समर्पण का वास्तविक अर्थ है अपने अहंकार, भय और फल की आसक्ति को त्याग देना। जब व्यक्ति यह समझ लेता है कि वह केवल एक माध्यम है और सभी कार्यों के पीछे ईश्वर की ही शक्ति कार्य कर रही है, तब उसके कर्म शुद्ध और निष्काम हो जाते हैं। कर्म करना जीवन की अनिवार्यता है। बिना कर्म के जीवन निष्क्रिय हो जाता है। लेकिन जब कर्म केवल स्वार्थ, लाभ या प्रतिष्ठा के लिए

किए जाते हैं, तब वे मन को बांध लेते हैं। इसके विपरीत, जब वही कर्म ईश्वर को समर्पित होकर किए जाते हैं, तो वे साधना बन जाते हैं। तब प्रत्येक कार्य पूजा का रूप ले लेता है और जीवन में पवित्रता आती है। समर्पण का सबसे बड़ा लाभ यह है कि व्यक्ति फल की चिंता से मुक्त हो जाता है। सफलता उसे अहंकारी नहीं बनाती और असफलता उसे तोड़ती नहीं। वह हर परिस्थिति को ईश्वर की इच्छा मानकर स्वीकार करता है और संतुलित बना रहता है। ईश्वर को सौंपकर किए गए कर्म मन को हल्का करते हैं। ऐसे कर्मों से जीवन में धैर्य, संतोष और आंतरिक शांति का जन्म होता है। वास्तव में, यही जीवन जीने की कला और सच्ची भक्ति का मार्ग है।

जीवन ऊर्जा

शहीद मनोज कुमार पांडेय : 10 जनवरी 1975

जन्म

मनोज कुमार पांडेय का जन्म 10 जनवरी 1975 को उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले के रुढ़ा गांव में हुआ। उनके पिता श्री गोपाल पांडेय एक साधारण किसान थे। बचपन से ही मनोज में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व के गुण दिखाई देने लगे थे।

अदम्य साहस और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक

अगर मौत से पहले मुझे डर लग जाए, तो समझ लेना मैं सच्चा देशभक्त नहीं। मुझे फिक्र नहीं कि मैं ज़िंदा लौटूँ या नहीं, बस इतना चाहता हूँ कि दुश्मन को हराकर लौटूँ। मनोज कुमार पांडेय भारतीय सेना के उन वीर सपूतों में से एक हैं, जिनका नाम देश के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। वे कारगिल युद्ध के महान नायकों में शामिल थे और उन्हें उनकी अद्वितीय वीरता के लिए मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया। उनका जीवन साहस, कर्तव्यनिष्ठा और देशप्रेम का अनुपम उदाहरण है। मनोज कुमार पांडेय का जन्म 10 जनवरी 1975 को उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले के रुढ़ा गांव में हुआ। उनके पिता श्री गोपाल पांडेय एक साधारण किसान थे। बचपन से ही मनोज में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व के गुण दिखाई देने लगे थे। वे पढ़ाई में सामान्य थे, लेकिन खेलकूद और साहसिक गतिविधियों में विशेष रुचि रखते थे। उन्हें बचपन से ही सेना में जाने का सपना था। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गांव और आस-पास के विद्यालयों से प्राप्त की। बाद में वे राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (NDA) में चयनित हुए, जहाँ उनका प्रशिक्षण हुआ। प्रशिक्षण के दौरान उनके साहस और नेतृत्व क्षमता ने प्रशिक्षकों को प्रभावित किया। 1997

में वे भारतीय सेना की 11 गोरखा राइफल्स की 1/11 गोरखा राइफल्स बटालियन में लेफ्टिनेंट के रूप में नियुक्त हुए। 1999 का कारगिल युद्ध उनके जीवन की सबसे महत्वपूर्ण परीक्षा साबित हुआ। उन्हें जम्मू-कश्मीर के कारगिल सेक्टर में दुश्मन द्वारा कब्जाई गई ऊँचाइयों को वापस लेने का दायित्व सौंपा गया। उनकी बटालियन को खालूबर टॉप और आसपास की रणनीतिक चोटियों पर कब्जा करना था। यह क्षेत्र अत्यंत कठिन, दुर्गम और दुश्मन की भारी गोलीबारी से भरा हुआ था।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

जीवन और मृत्यु के बीच का सत्य

नदी के शांत किनारे एक अनुभवी गुरु अपने शिष्य के साथ बैठे थे। सामने सूर्य अस्त होने की तैयारी कर रहा था। आकाश में फैली लालिमा जल की लहरों पर प्रतिबिंबित हो रही थी और वातावरण में एक गहरा मौन छाया हुआ था। प्रकृति मानो स्वयं जीवन और मृत्यु के बीच के रहस्य को प्रकट करने के लिए ठहर गई हो। उसी मौन को तोड़ते हुए शिष्य ने कुछ हिचकिचाते हुए, कांपती आवाज में पूछा, "गुरुदेव, जब जीवन का अंत निकट होता है, तब

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक
व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा
महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

मन सबसे अधिक किस बात से डरता है?" गुरु जी ने तुरंत उत्तर नहीं दिया। वे कुछ क्षण मौन रहे, मानो प्रश्न की गहराई को भीतर तक अनुभव कर रहे हों। उनका मौन ही उस प्रश्न का पहला उत्तर था। फिर उन्होंने शांत स्वर में कहा, "चलो, आश्रम चलते हैं।" शिष्य कुछ समझ नहीं पाया, लेकिन वह जानता था कि गुरु के उत्तर अक्सर शब्दों में नहीं, अनुभवों में छिपे होते हैं। वह चुपचाप गुरु के पीछे चल पड़ा। आश्रम पहुंचकर गुरु जी अग्निकुंड के पास गए। उन्होंने वहां रखी एक सूखी लकड़ी उठाई और उसे आग में रख दिया। कुछ ही क्षणों में लकड़ी जलने लगी। तेज धुआं उठने लगा, चटकने की आवाजें गूंजने लगीं। आग के साथ लकड़ी का संघर्ष साफ दिखाई दे रहा था। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो लकड़ी अपने अस्तित्व को बचाने के लिए अंतिम प्रयास कर रही हो। वातावरण में बेचैनी फैल गई। थोड़ी देर बाद गुरु जी ने उसी अग्नि में एक छोटा सा कपूर का टुकड़ा डाल दिया। कपूर ने आग को छुआ और बिना किसी आवाज के, बिना धुएं के, शांत भाव से जलकर समाप्त हो गया। न कोई चटकन, न कोई प्रतिरोध, न कोई अशांति। केवल एक गहरी शांति चारों ओर फैल गई। गुरु जी ने शिष्य की ओर देखा और बोले, "दोनों जले, पर अंतर देखा?" शिष्य की आंखें भर आईं। भावुक स्वर में उसने कहा, "हां गुरुदेव, लकड़ी ने शोर किया, धुआं फैलाया, जबकि कपूर ने मौन अपनाया।" गुरु जी ने धीरे से कहा, "यही जीवन का सत्य है। जो व्यक्ति जीवन भर पकड़कर जीता है—धन, पद, मान, अहंकार और संबंधों को कसकर थामे रहता है—वह अंत समय में लकड़ी की तरह जलता है। उसके मन में भय होता है, पश्चाताप होता है और अधूरी इच्छाओं का धुआं उठता रहता है। जीवन का बोझ उसे चैन से विदा नहीं लेने देता।" कुछ क्षण रुककर उन्होंने आगे कहा, "लेकिन जो व्यक्ति जीवन में समर्पण सीख लेता है, जो छोड़ना जान जाता है, जो यह समझ लेता है कि कुछ भी सदा के लिए नहीं है, वह कपूर की तरह हो जाता है। उसका जीवन हल्का हो जाता है। इसलिए जब अंत आता है, तो वह बिना शोर, बिना भय, शांत भाव से इस संसार से विदा होता है।" शिष्य ने कांपते हाथ जोड़कर विनम्र स्वर में पूछा, "तो गुरुदेव, जीवन का सार क्या है?" गुरु जी ने अस्त होते सूर्य की ओर देखते हुए उत्तर दिया, "जीवन का सार यही है कि इतना हल्का हो जाओ कि जब बुलावा आए, तो कोई बोझ साथ न जाए।" यह सुनकर शिष्य की आंखों से आंसू बहने लगे। वे आंसू डर के नहीं थे, बल्कि उस शांति के थे, जो जीवन और मृत्यु के गहरे सत्य को समझ लेने के बाद मन में उतर आई थी।

अपने विचार

मीडिया ने मेरे बयान को अलग तरह से पेश किया। मैंने आरोप नहीं लगाया था। महाराष्ट्र सरकार अच्छा काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में अच्छा काम हो रहा है। मैंने यही कहा था लेकिन मेरा पूरा बयान नहीं दिखाया गया।

-अजीत पवार
डिप्टी सीएम, महाराष्ट्र

मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करना भाजपा का रुपुराना सपनार है। अब उन्हें लगता है कि बालासाहेब ठाकरे नहीं रहे और उन्होंने कागज़ों में शिवसेना को खत्म कर दिया है। लेकिन ज़मीन पर वे ऐसा नहीं कर सकते। आपने देखा होगा कि 2012 तक, जब बालासाहेब थे, तब वे (भाजपा) सीधे थे।

-उद्धव ठाकरे, अध्यक्ष
शिवसेना(यूबीटी)

राजद के प्रदेश ने कहा है कि बीजेपी खेल कर रही है। मकसद है नीतीश कुमार को सीएम की कुर्सी से हटाना और अपने दल के नेता को बैठाना चाह रही है। नीतीश कुमार को कुर्सी से बेदखल करने का प्लान तयार हो चुका है। इसी के

-मृत्युंजय तिवारी
प्रवक्ता, आरजेडी

कांग्रेस रोजाना नई गिरावट पर जा रही है। कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण बेशर्मी से भारत की स्थिति की तुलना वेनेजुएला से कर रहे हैं। यह पूछकर कि रजो वेनेजुएला में हुआ, क्या वह भारत में हो सकता हैर, कांग्रेस अपनी भारत विरोधी मानसिकता साफ कर रही है।

-प्रदीप भंडारी
भाजपा प्रवक्ता

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

पवार परिवार में पिघलने लगी विवाद की बर्फ

22 जनवरी को संभावित विलय की चर्चा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महानगरपालिका चुनावों के बीच राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा तेज है कि 22 जनवरी 2026 को एनसीपी के दोनों गुटों का औपचारिक विलय हो सकता है। अजित पवार ने हाल ही में संकेत दिए हैं कि परिवार के भीतर के विवाद अब समाप्त हो गए हैं और कार्यकर्ताओं की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए दोनों पक्ष फिर से एकजुट हो सकते हैं।

स्थानीय चुनावों में 'चाचा-भतीजा' का गठबंधन

इस एकता का पहला बड़ा प्रमाण पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ महानगरपालिका चुनाव में देखने को मिला है। यहां शरद पवार की 'तुरही' और अजित पवार की 'घड़ी' एक साथ मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं। सुप्रिया सुले ने भी पुष्टि की है कि कार्यकर्ताओं के भारी दबाव के कारण ही स्थानीय स्तर पर यह गठबंधन किया गया है, ताकि एनसीपी के गढ़ को बचाया जा सके।

महायुति में दरार और वैचारिक मतभेद

अजित पवार ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि राजनीति में अब विचारधाराओं का पतन हो रहा है। उन्होंने भाजपा (बीजेपी) के स्थानीय नेतृत्व पर निशाना साधते हुए पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ में भ्रष्टाचार के आरोप भी लगाए हैं। अजित पवार का कहना है कि नेताओं को प्रलोभन देकर या जांच एजेंसियों का डर दिखाकर पार्टी बदलने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जिससे वे असहज महसूस कर रहे हैं।

सुप्रिया सुले की भूमिका और केंद्र की चर्चा

विलय की खबरों के बीच सुप्रिया सुले ने गठबंधन का स्वागत किया है, हालांकि उन्होंने केंद्र में मंत्री बनने की खबरों को फिलहाल अफवाह करार दिया है। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि यदि विलय होता है, तो एक नए पावर फॉर्मूले के तहत सुप्रिया सुले दिल्ली (केंद्र) की राजनीति संभाल सकती हैं, जबकि अजित पवार महाराष्ट्र (राज्य) में पार्टी की कमान संभालेंगे।

दल-बदल और धनबल पर प्रहार

अजित पवार ने वर्तमान राजनीति में बढ़ते धन और बाहुबल के इस्तेमाल पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि अब उम्मीदवारों का मूल्यांकन उनके कार्यों के बजाय 'चुनावी जीत की क्षमता' (Win-nability) और 'सर्वे रिपोर्ट' के आधार पर किया जा रहा है।

सुपारी की लत से पकड़ा गया मुख्य आरोपी

गोलीबारी और 47 लाख रुपये के सोने की चोरी का है मामला

मुंबई। दक्षिण मुंबई में पिछले साल हुई सोने की बड़ी लूट और गोलीबारी के मामले में मुंबई पुलिस को एक साल बाद बड़ी सफलता मिली है। मुंबई पुलिस ने 47.27 लाख रुपये की सोना लूट और गोलीबारी के मुख्य आरोपी कैलाश मथुरा सूर्यवंशी उर्फ 'केपी' को रायगढ़ जिले के नेरल से गिरफ्तार कर लिया है। एक साल से फरार चल रहे इस शातिर अपराधी तक पहुँचने में उसकी एक मामूली आदत पुलिस के काम आई। पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी को सुपारी खाने की तीव्र लत है और वह अक्सर पान की दुकानों पर जाता है। इसी सुराग का पीछा करते हुए पुलिस ने नेरल के बाजारपेठ इलाके में जाल बिछाया और उसे धर दबोचा।

2.47 लाख की लूट और गोलीबारी की घटना

यह मामला पिछले साल 6 जनवरी का है, जब चिराग धंदुकीया और उनके रिश्तेदार स्कूटर पर करीब 47.27 लाख रुपये का सोना लेकर जा रहे थे। दक्षिण मुंबई के माता रमाबाई आंबेडकर मार्ग इलाके में चार बदमाशों ने उन्हें रोका और उन पर दो गोलियां चलाईं। इस हमले में धंदुकीया का रिश्तेदार घायल हो गया था और आरोपी सोना लूटकर फरार हो गए थे। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पहले ही चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन मुख्य सरगना सूर्यवंशी फरार चल रहा था।

'मकोका' के तहत कार्रवाई और आपराधिक इतिहास

पुलिस उपायुक्त प्रवीण मुंधे के अनुसार, सूर्यवंशी एक आदतन और संगठित अपराधी है, जिस पर मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पुणे और धुले में 35 से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं। वह गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपना नाम और हुलिया बदलता रहता था। उसकी संगठित आपराधिक गतिविधियों को देखते हुए पुलिस ने इस मामले में कड़ा मकोका (MCOCA) कानून लागू किया है। गिरफ्तारी के समय उसके पास से 12.91 लाख रुपये का चोरी का सोना, एक पिस्तौल और पांच जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

लोकसभा चुनाव में हार के बाद 'लाड़ली बहना' का आया विचार

शिवराज सिंह चौहान से ली सलाह: पवार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने शुक्रवार को एक अहम खुलासा किया। उन्होंने बताया कि लोकसभा चुनावों में महायुति गठबंधन को मिली हार के बाद सरकार ने महिलाओं के लिए 'लाड़ली बहना' योजना शुरू करने का फैसला लिया था। इसके लिए, उन्होंने बीजेपी नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से सलाह ली थी।

पवार ने क्या कहा?

पवार ने स्वीकार किया कि कल्याणकारी योजनाओं से सरकारी खजाने पर बोझ पड़ता है। हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि पैसों की कमी के कारण महाराष्ट्र के विकास रुकने नहीं दिया जाएगा। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की योग्य महिलाओं को लाड़ली बहना योजना के तहत हर महीने 1,500 रुपये मिलते हैं। राज्य के बजट पर दबाव डालने वाला का जवाब देते हुए पवार ने कहा कि महिलाओं के लिए कैश ट्रांसफर कार्यक्रम देश भर में एक आम बात हो गई है। कई राज्यों में इसे लागू किया जा रहा है। पवार ने कहा हाल के बिहार चुनावों के दौरान, महिलाओं को एक बार में 10,000 रुपये ट्रांसफर किए गए थे। यह उनका अधिकार था। हर कोई चुनाव जीतना चाहता है और लोगों को साथ लाने के लिए ऐसी योजनाएं शुरू की जाती हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी, शिवसेना और उनकी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) महायुति गठबंधन को 2024 के लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र की 48 सीटों में से केवल 17 सीटें जीतने के बाद अपनी राजनीतिक रणनीति का फिर से मूल्यांकन करना पड़ा। विधानसभा चुनाव में मुश्किल से पांच महीने बचे थे। ऐसे में मतदाताओं का भरोसा फिर से जीतने के लिए गठबंधन को अपनी रणनीति पर विचार करना पड़ा। उस समय पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान की लाड़ली बहना योजना काफी लोकप्रिय थी। पवार ने कहा, हमने 'मामा जी' (शिवराज सिंह चौहान) से बात की। उन्होंने हमें योजना के बारे में विस्तार से बताया।

भाजपा ने चलाया ऑपरेशन 'क्लीन'

कई दिग्गज और बड़े नेता समेत 26 लोग पार्टी से बाहर

मुंबई। महाराष्ट्र के 29 नगर निकायों में 15 जनवरी को होने वाले मतदान से पहले भारतीय जनता पार्टी ने अनुशासनहीनता के खिलाफ सख्त कदम उठाया है। मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम के निर्देश पर पार्टी ने 26 नेताओं को 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है। इन नेताओं पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने और आधिकारिक उम्मीदवारों के खिलाफ काम करने का गंभीर आरोप है। इस कार्रवाई ने चुनावी माहौल में हड़कंप मचा दिया है, क्योंकि निलंबित होने वालों में कई पूर्व नगरसेवक और कद्दावर चेहरे शामिल हैं।

गठबंधन धर्म और अनुशासन का संदेश

यह कठोर कार्रवाई उन बागियों पर की गई है जिन्होंने टिकट न मिलने पर महायुति के आधिकारिक उम्मीदवारों के खिलाफ निर्दलीय पर्चा भरा था और वरिष्ठ नेताओं की समझाइश के बावजूद नामांकन वापस नहीं लिया।

निलंबित नेताओं में आसावरी पाटील, नेहल शाह, जान्हवी राणे, दिव्या ढोले, जयमुगन नाडार और शोभा सालगावकर जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। पार्टी नेतृत्व ने इस 'सर्जिकल स्ट्राइक' के जरिए स्पष्ट संदेश दिया है कि व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा की तुलना में पार्टी अनुशासन और गठबंधन धर्म सर्वोपरि है।

कांग्रेस उम्मीदवार को अज्ञात व्यक्ति ने जान से मारने की दी धमकी

मुंबई। मुंबई नगर निकाय चुनाव के कांग्रेस के उम्मीदवार प्रमोद नार्वेकर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कर यह दावा किया है कि उन्हें धमकी दी गई और चुनावी मैदान से हटने के लिए कहा गया। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। वाकोला पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि नार्वेकर वार्ड नंबर 87 से चुनाव लड़ रहे हैं। अधिकारी ने कहा, 'बुधवार रात चुनाव प्रचार पूरा करने के बाद नार्वेकर सांताक्रूज पूर्व के गोलीबार नाका स्थित

कार्यालय गए थे। उन्होंने दावा किया है कि एक व्यक्ति उनके कार्यालय में घुसा और उनसे अपना नामांकन वापस लेने और प्रचार बंद करने को कहा। उस व्यक्ति ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी।' अधिकारी ने बताया कि नार्वेकर की शिकायत के आधार पर उस व्यक्ति के खिलाफ एक गैर-संज्ञेय मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

विपक्ष को खत्म करने की साजिश: आजमी

मुंबई। अबू आजमी ने देश की वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष 'विपक्ष मुक्त भारत' बनाने की साजिश रच रहा है। उन्होंने पश्चिम बंगाल में ईडी (ED) की हालिया कार्रवाई का जिक्र करते हुए कहा कि आज ऐसी स्थिति पैदा कर दी गई है जहाँ विपक्ष के अस्तित्व को ही मिटाने की कोशिश हो रही है। आजमी ने जनता से अपील की कि वे गांधी और अंबेडकर के सिद्धांतों पर चलकर लोकतंत्र की रक्षा करें।

रामभद्राचार्य और नितेश राणे की आलोचना

जगद्गुरु रामभद्राचार्य द्वारा राहुल गांधी और उमर खालिद पर दिए गए बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए आजमी ने इसे नफरत फैलाने वाली राजनीति बताया। साथ ही, उन्होंने भाजपा नेता नितेश राणे को 'नफरत का पुजारी' करार दिया। आजमी ने कहा कि यदि सरकार निष्पक्ष होती, तो हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण करने वाले ऐसे नेताओं को अब तक निलंबित कर दिया गया होता। विधायक रईस शेख द्वारा पार्टी में की गई बगावत पर प्रतिक्रिया देते हुए अबू आजमी ने इसे केवल 'सत्ता का लालच' बताया।

मध्य रेल पर 11 जनवरी को मेगा ब्लॉक

मुंबई। मध्य रेल, मुंबई मंडल द्वारा रविवार, 11 जनवरी 2026 को विभिन्न इंजीनियरिंग और रखरखाव कार्यों के लिए उपनगरीय खंडों पर मेगा ब्लॉक घोषित किया गया है। मेन लाइन पर सीएसएमटी मुंबई और विद्याविहार स्टेशनों के बीच सुबह 10:55 बजे से दोपहर 15:55 बजे तक अप और डाउन स्लो लाइनों पर ब्लॉक रहेगा। इस दौरान सीएसएमटी से छूटने वाली सभी डाउन स्लो ट्रेनों को फास्ट लाइन पर डायवर्ट किया जाएगा, जो भायखला, परेल, दादर, माटुंगा, सायन और कुर्ला स्टेशनों पर रुकेंगी। इसी तरह, घाटकोपर से आने वाली अप स्लो ट्रेनों को भी फास्ट लाइन पर चलाया जाएगा और वे इन्हीं प्रमुख स्टेशनों पर रुकते हुए अपने गंतव्य तक पहुँचेंगी।

ट्रांस-हार्बर लाइन: ठाणे-वाशी/नेरुल सेवाएं पूरी तरह बंद

ट्रांस-हार्बर लाइन पर ठाणे और वाशी/नेरुल स्टेशनों के बीच सुबह 11:10 बजे से शाम 16:10 बजे तक ब्लॉक लिया जाएगा। इस अवधि के दौरान ठाणे से वाशी, नेरुल और पनवेल जाने वाली सभी डाउन सेवाएं और वापसी में पनवेल, नेरुल व वाशी से ठाणे आने वाली सभी अप सेवाएं पूरी तरह निलंबित रहेंगी। ठाणे से डाउन लाइन की अंतिम सेवा सुबह 10:35 बजे तक और अप लाइन की अंतिम सेवा सुबह 10:25 बजे तक ही उपलब्ध होगी।

मध्य रेल
भुसावल मण्डल
ई–निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सं:- BSL-L-W-T-68-2025:- कार्य का विवरण :- नासिक रोड से संबंधित विद्युतीकरण कार्य –नासिक रेलवे स्टेशन का उन्नयन जिसमें पूर्वी तरफ स्टेशन भवन, पूर्वी तरफ सर्कुलेटिंग एरिया, निकास / प्रवेश द्वार, 6 मीटर चौड़ा एफओबी (कट ऑफ बॉक्स) का प्रावधान शामिल है। 2) **अनुमानित लागत:** ₹ 3,26,82,901, 3) **ऑनलाइन बिड सबमिशन का अंतिम दिनांक और समय:** 19/01/2026 को 15:00 बजे 4) **वेबसाइट विवरण:** https://www.ireps.gov.in.

टिकट के लिए UTS App डाउनलोड करें

पश्चिम रेलवे
रेल नवीनीकरण कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (WA), पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल, मुंबई–400008 **ई-टेंडर सूचना संख्या: BCT/25-26/293 दिनांक 07.01.2026 आमंत्रित करते हैं। कार्य एवं स्थान:** ठेका के माध्यम से थ्रू रेल रिन्युअल (P) – 5.133 ट्रैक किमी तथा थ्रू स्लीपर रिन्युअल (P) – 7.69 ट्रैक किमी, पीक्यूआरएस (PQRS) पोर्टल के अंतर्गत, वरिष्ठ मंडल अभियंता (पूर्व), मुंबई सेंट्रल के अधिकार क्षेत्र में उधना–जलगांव खंड, पश्चिम रेलवे। **कार्य की अनुमानित लागत:** 2,08,30,122.61 **EMD:** 2,54,200/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 03.02.2026 को 15:00 बजे तक **निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** 03.02.2026 को 15:30 बजे अधिक जानकारी हेतु हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। मैनुअल (हस्तलिखित) ऑफर स्वीकार नहीं किए जाएंगे। 0989

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मध्य रेल
सोलापुर मण्डल
सिग्नलिंग कार्य

निविदा सूचना संख्या: सोला–एन–टी–2025–26–34 दिनांक:– 02.01.2026 भारत के राष्ट्रपति की ओर से डी. आर. एम. (एस एंड टी) कार्यालय, मध्य रेलवे, सोलापुर निम्नलिखित कार्य के लिए सक्षम, प्रतिष्ठित फर्मों / ठेकेदारों से रेलवे की ई–प्रोक्योरमेंट वेबसाइट www.ireps.gov.in पर ऑनलाइन ई–निविदाएं आमंत्रित करता है:– कार्य पूर्ण करने की अवधि के शुद्धिपत्र / संशोधन के साथ। **काम का नाम:** मध्य रेलवे के सोलापुर मंडल के कुरुदुवाड़ी–लातूर खंड में पुलों और सुरंगों से संबंधित इंजीनियरिंग कार्यों के संबंध में संकेत एंव दूरसंचार उपकरणो और केबलों संरक्षण या स्थानांतरण करना। **निविदा संख्या:** सोला–एन–टी–2025–26–34 **कार्य की अनुमानित लागत:** Rs. 63,07,875.65 **टेंडर फॉर्म की कीमत:** NIL **जमा की जाने वाली धरोहर राशि:** Rs. 1,26,200.00 **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 08 महीने **निविदा बंद होने का समय एंव दिनांक www.ireps.gov.in पर:** 27.01.2026 at 15.30 Hrs. विवरण **ireps** वेबसाइट में उपलब्ध हैं। शुद्धिपत्र / संशोधन यदि कोई हो तो केवल उपरोक्त ई– प्रोक्योरमेंट वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। केवल ऑनलाइन निविदाएं ही स्वीकार की जाएंगी। मैनुअल / डाक / ई–मेल, फैक्स, हस्तनिविदाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी। निविदाताओं से अनुरोध है कि वे कंपनी के नाम के साथ तृतीय श्रेणी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र प्राप्त करें और इसे **www.ireps.gov.in** पर पंजीकृत करें। बयाना राशि (ईएमडी) का भुगतान नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से या बैंक गारंटी के रूप में स्वीकार किया जाएगा और मूल बैंक गारंटी निविदा दस्तावेज में निर्दिष्ट नामित अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से बोलियाँ जमा करने की अंतिम तिथि से पहले (अर्थात बोलियाँ जमा करने की अंतिम तिथि को छोड़कर) जमा करनी होगी। अधिक जानकारी के लिए कृपया **www.ireps.gov.in** देखें। ANJ-05

टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करे

मध्य रेल
सोलापुर मण्डल
विद्युत कार्य

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क.वि.), मध्य रेल, सोलापुर। निम्नलिखित कार्य के लिए व्यक्ति प्राप्त, अनुभवी और लाईसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेलवे की ई प्रोक्योरमेंट वेबसाइट www.ireps.gov.in पर ऑनलाइन ई निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा क्र.:**– सोला/क.वि./नि/2025/21R **कार्य का नाम:** एमसीबाई फिटिंग कैंटिलीवर ब्रैकेट असेंबली को फोल्ड फिटिंग्स से प्रतिस्थापित करके सोलापुर डिवीजन दौंड– भिगवान और कलबुर्गी –वाडी सेक्शन के ओएचई में संशोधन। (पुनर्निविदा) **अनुमानित लागत:** रू 3,05,14,570/– **बयाना राशि:**– रू 3,02,600/– **कार्य पुरा करने की अवधि:**– 12 माह। **निविदा प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन। **वेबसाइट पर निविदा बंद होने की तिथि और समय:** दि. 03/02/2026 को 15.00 बजे। ANJ-02

टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करे

पश्चिम रेलवे
पार्सल SLR/VP के लिए अनुबंध हेतु ई-नीलामी

मुंबई मंडल से प्रारंभ होने वाली ट्रेनों में पार्सल SLR को लीज पर देने के लिए DRM (C)-BCT द्वारा ई-नीलामी आमंत्रित की गई है। इसका कैटलॉग पहले ही IREPS वेबसाइट पर प्रकाशित किया जा चुका है। विवरण निम्नानुसार है:– **अनुबंध का प्रकार: पार्सल श्रेणी: पार्सल SLR**

नीलामी कैटलॉग संख्या	लॉट संख्या	अनुबंध अवधि
MMCT-PLS-26-04	22971-SLR-R1 BDTS-PNBE-25-1	03 वर्ष

ई-नीलामी की तिथि एवं समय: सभी लॉट्स के लिए **ई-नीलामी दिनांक 15.01.2026 को 12:00 बजे** प्रारंभ होगी। प्रारंभिक कूलिंग **अवधि: 30 मिनट।**

नीलामी कैटलॉग संख्या	लॉट संख्या	अनुबंध अवधि
MMCT-PLS-26-05	09049-SLR-F1 DDR-BSL-26-1	3 वर्ष
	09049-SLR-F2 DDR-BSL-26-1	
	09049-SLR-R1 DDR-BSL-26-1	
	09051-SLR-F2 DDR-BSL-26-1	
	19003-SLR-F2 DDR-BSL-26-1	
	02133-SLR-F1 BDTS-JBP-25-3	3 माह
	21903-SLR-F1 BDTS-BKN-25-2	3 वर्ष
	21903-SLR-R1 BDTS-BKN-25-2	
	20907-SLR-F1 DDR-BHUJ-25-2	

ई-नीलामी की तिथि एवं समय: सभी लॉट्स के लिए **ई-नीलामी 16.01.2026** को दोपहर **12:00 बजे** प्रारंभ होगी। प्रारंभिक कूलिंग **पीरियड: 30 मिनट।**

नीलामी कैटलॉग संख्या	लॉट संख्या	अनुबंध अवधि
MMCT-PLS-26-06	22444-SLR-F1 BDTS-CNB-25-1	3 वर्ष
	02133-SLR-R1 BDTS-JBP-25-4	3 माह

ई-नीलामी की तिथि एवं समय: लॉट के लिए **ई-नीलामी दिनांक 19.01.2026 को 12:00 बजे** से प्रारंभ होगी। प्रारंभिक कूलिंग अवधि: 30 मिनट।

अधिक जानकारी के लिए: पार्सल SLRs/VPs की ई-नीलामी से संबंधित विस्तृत जानकारी हेतु IREPS वेबसाइट देखें: www.ireps.gov.in 0985

हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly | हमें फालो करें : X.com/WesternRly

मध्य रेल
भुसावल मण्डल
ई–निविदा सूचना

भारत के महामहिम राष्ट्रपति हेतु सीनियर डिविजनल बिजली इंजीनियर (क.वि.) मध्य रेल, भुसावल द्वारा निम्न लिखित कार्य हेतु डीओटीटी हस्ताक्षरित ऑनलाइन ओपन ई निविदा आमंत्रित की जाती है। **टेंडर नोटिस नं.** : भुसावल_ईलेक्ट_टीआरडी_03_2026 दिनांक 06/01/2026. **कार्य का नाम** : भुसावल डिवीजन के चालीसगांव–मनमाड (सीएसएन–एमएमआर) खंड में स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग (एबीएस) के संबंध में एटी प्लांट के प्रावधान के संबंध में 25 केवी, एकल चरण, एसी ओएचई कार्यों का डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण परीक्षण और कमीशनिंग। **कार्य की लागत:** रु. 1,56,50,520.00, **बयाना राशि** : रु. 2,28,300.00, **निविदा जमा करने की अंतिम तारीख, समय** : 29/01/2026 up to 15:00 hrs. **अतिरिक्त जानकारी के लिए वेब साइट का पता: www.ireps.gov.in**

टिकट के लिए UTS App डाउनलोड करें

मध्य रेल
मंडल रेल प्रबंधक मुंबई छ.शि.म.ट (कार्य) का कार्यालय
खुलीई– निवीदासूचनासं–मरे / मंरेप्र(कार्य) बीबी / 2025 / 45 दिनांक– 26.12.2025

क्रमसंख्या–1. कार्य का नाम– क) मुंबई डिवीजन के विभिन्न स्टेशनों तक विभिन्न स्लीपर कारखानों से टी / आउट, ब्रिज, एसईजे, पीएससी स्लीपरों का परिवहन और अन्य डिवीजनों से स्विच, रेल, क्रॉसिंग और फिटिंग का परिवहन तथा मुंबई डिवीजन के लिए भांडुप डिपो में तीन वर्ष की अवधि के लिए सामग्री की लोडिंग और अनलोडिंग। ख) सीनियर डीईएन (एचबी) सेक्शन में पीएच–31 के अंतर्गत स्वीकृत ट्रैक कार्यों में विभिन्न इंजीनियरिंग सामग्रियों का परिवहन। **लगभग कीमत** Rs.912.24 लाख **EMD** Rs.606100 **पूरा होने की अवधि** : 36 महीने। **क्रमसंख्या– 2. कार्य का नाम:** ठाणे–वाशी और सीएसएमटी–जीएमएम: सीनियर डीईएन (एचबी) सेक्शन के अंतर्गत 552 नगों के लिए टीबीटीआर (एच बीम के साथ चैनल स्लीपर)। **अनुमानित मूल्य** 170.63 लाख रुपये **ईएमडी** 235300 रुपये **पूरा होने की अवधि** –9 महीने। **क्रमसंख्या– 3. कार्य का नाम:** काम का नाम : मुंबई डिवीजन के लिए विद्युतीकृत खंड पर टीआरटी और बीसीएम के साथ 13.349 किलोमीटर चौड़ी स्लीपर वाली टीएसआर (पी) परियोजना। **लगभग कीमत** Rs.214.48 लाख **EMD** Rs.257200 **पूरा होने का समय** : 12 महीने। **क्रमसंख्या– 4. कार्य का नाम: ए).** प्लेन ट्रैक की गहन स्क्रीनिंग (टीबीआर) – छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पर बीसीएम (यूएसएसआर–21) के साथ 14.797 किमी का कार्य – पनवेल – टीबीआर – 2.642 किमी; ठाणे – वाशी टीबीआर – 9.905 किमी और टर्भे – नेरुल – टीबीआर – 2.25 किमी। बी). सीटीआर (एस) – 4.587 किमी 60 किलोग्राम एसएच रेल और नए पीएससी 6 चौड़े स्लीपरों के साथ नए फिटिंग का कार्य यूएसएसओआर–21 द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस – पनवेल – सीटीआर (एस) – 0.284 किमी; ठाणे–वाशी – सीटीआर (एस) – 3.676 किमी और कुर्ला–ट्रोम्बे सीटीआर (एस) – 0.627 किमी। सी). टीआरआर (पी) – मुंबई डिवीजन के लिए विद्युत खंड (यूएसएसआर–21 द्वारा) पर 60 किलोग्राम रेल के साथ 4.89 किमी का कार्य, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस – पनवेल – टीआरआर (पी) – 2.48 किमी और ठाणे–वाशी – टीआरआर (पी) – 2.41 किमी। डी). छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस – पनवेल पर टीटीआर 1 इन 12 /(एफएस+टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी) 60 किलोग्राम रेल टी 28 के साथ (यूएसएसओआर–21 द्वारा निर्मित) – टीटीआर (एफएस+टीडब्ल्यूएस+ डब्ल्यूसीएमएससी) 10 सेट (मौजूदा 1:8.5 टर्नआउट को 1:12 में परिवर्तित करना)। ई). सीटीआर (एस) 60 किलोग्राम एसएच रेल और नए पीएससी 6 चौड़े स्लीपर के साथ नए फिटिंग के साथ यूएसएआर–21 द्वारा निर्मित। **लगभग कीमत** Rs.250.31 लाख **EMD** Rs.275200 **पूरा होने का समय** : 12 महीने। उक्त निविदा का, निविदा बंद करने की तारीख और समय क्र.1,2,3 और 4 दिनांक 20.01.2026, को 15.00 बजे तक और 15.00 बजे के बाद खोला जाएगा निविदा और शुद्धिपत्र के विवरण हेतुं अग्रदर्शी निविदाओं के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर भेट देने का अनुरोध है। इलेक्ट्रॉनिक वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप सेटेंडर से ऊपर ई–टेंडर में भाग लिया जा सकता है और ई–टेंडर के खिलाफ मैनुअल स्ताव प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है। मैन्युअल रूप से, यदि प्रस्तुत किया गया है तो न तो खोला जाएगा और न ही माना जाएगा। **www.ireps.gov.in** वेबसाइट में प्राकृति क नियम के अनुसार उपलब्ध किए गएई पेमेन्ट के माध्यम से नकद में जमा की जाएगी या भारत के किसी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारंटी बांड के रूप में जमा की जाएगी या जैसा कि निविदा दस्तावेजों में उल्लेख किया गया है। अतिरिक्त जानकारी के लिए संपर्क : मंडल रेल प्रबंध क (कार्य) कार्यालय, मध्य रेल। फोन: 022–67455323 यह निविदाएं सार्वजनिक खरीद नीति आदेश 2017 दिनांक 16.9.2017 के अनुरूप है। निवीदाओं संबंधी संपूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा संबंधी संपूर्ण विवरण उपरोक्त कार्यालय, मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), तीसरी मंजील, कंम्पूटरीकृत आरक्षण केंद्र के ऊपर, छशिमट मुंबई:400001 के " नोटिस बोर्ड" पर भी उपलब्ध है।

783 **मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) मुंबई छशिमट**

टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करे

गृहनिर्माण विभाग

झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई

जा.क्र. SRA/CO/OW/१३६९ / सन २०२६
दिनांक : ०९.०१.२०२६

-: ऑनलाईन सोडत पध्दतीने सदनिका वाटपाची सुचना :-

ओम सिध्दी (एस.आर.ए.) सहकारी गृहनिर्माण संस्था मर्या., एफ.पी.नं. ९७२, ९७३, ९७४, ९७५ आणि ९७६, टी.पी.एस.IV ऑफ माहिम डिव्हीजन, गोखले रोड, दादर (पश्चिम), मुंबई-४०० ०२८ या पुनर्वसन योजनेतील संयुक्त इमारत क्र. १ मधील १०४ निवासी सदनिकांचे व ०२ निवासी /अनिवासी सदनिका असे एकूण १०६ सदनिका वाटप करणेसाठी कार्यकारी अभियंता (जी/एन), झो.पु.प्रा., बृहन्मुंबई यांचेकडून १०६ निवासी झोपडीधारकांची यादी प्राप्त झालेली आहे. त्यानुसार प्राधिकरण परिपत्रक सुचनांनुसार पात्र निवासी झोपडीधारकांना सदनिकांचे ऑनलाईन सोडतोद्वारे वाटप करणेकामी या कार्यालयाकडील दि. २६/१२/२०२५ रोजीच्या पत्रान्वये प्राधिकृत अधिकारी म्हणून माझी नियुक्ती केलेली आहे.

अभियांत्रिकी विभागाकडून प्राप्त मंजूरीनुसार नियुक्त प्राधिकृत अधिकारी यांनी दिनांक २६/१२/२०२५ रोजी १०६ पात्र झोपडीधारकांची यादी प्रसिध्द करुन दि. ०२/०१/२०२६ पर्यंत आक्षेप / हरकती मागविण्यात आलेले होते. त्यानुसार विकासकाने सादर केलेल्या प्रस्तावातील पात्र झोपडीधारकांना संस्थेच्या पुनर्वसन योजनेच्या संयुक्त इमारत क्र. १ मधील १०४ निवासी सदनिकांचे व ०२ निवासी/अनिवासी सदनिका असे एकूण १०६ झोपडीधारकांना सोडत पध्दतीने वितरण **सोमवार, दिनांक १३.०१.२०२६ रोजी दुपारी ०१.०० वाजता, स्थळ प्राधिकरणाच्या कार्यालयात ऑनलाईन पध्दतीने झूम ऐप (Zoom App) वर संगणीकृत प्रणालीव्दारे आयोजित केलेली आहे.**

-: सभेचा विषय :-

झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरणाचे परिपत्रक क्र. १६२/दि. २३.१०.२०१५ नुसार ऑनलाईन झूम ऐप (Zoom App) वर सोडत पध्दतीने पुनर्वसन योजनेच्या संयुक्त इमारत क्र. १ मधील १०४ निवासी सदनिकांचे व ०२ निवासी/अनिवासी सदनिका असे एकूण १०६ झोपडीधारकांना सदनिकांचे वाटप करणे.

Meeting ID: ८२२ १४१९ ४५५८
Passcode : १२३४५६
ठिकाण : मुंबई
दिनांक : ०९.०१.२०२६

सही/-
(विरधवल जाधव)
प्राधिकृत अधिकारी तथा सहकारी अधिकारी,
(श्रेणी-२), झो.पु.प्रा., बृहन्मुंबई

टिप : १) सोडतीसाठी पात्र (पती/पत्नी) झोपडीधारकांनीच ऑनलाईन लॉटरीमध्ये विहीत वेळेत व तारखेस सहभागी व्हावेत.

मध्य रेल
मंडल रेल प्रबंधक मुंबई छ.शि.म.ट (कार्य) का कार्यालय
खुलीई– निवीदासूचनासं–मरे / मंरेप्र(कार्य) बीबी / 2025 / 44 दिनांक– 24.12.2025

क्रमसंख्या–1. कार्य का नाम– ए) एडीएन (पश्चिम) पनवेल अनुभाग के अंतर्गत रेलवे स्टाफ क्वार्टरों (टक्का कॉलोनी, न्यू कॉलोनी, अंबिका कॉलोनी, ऑफिसर कॉलोनी) की मरम्मत। बी) एडीएन / पश्चिम पनवेल के अंतर्गत दीवा–पनवेल–पनवेल अनुभाग में सेवा भवन की पेंटिंग। सी) एडीएन / पश्चिम पनवेल के अंतर्गत पनवेल स्थित रनिंग रूम की मरम्मत। । **लगभग कीमत** Rs.376.72 लाख **ईएमडी** Rs.338400 **पूरा होने की अवधि** : 12 महीने। **क्रमसंख्या– 2. कार्य का नाम – ए)** एसएसई पी–वे पेन के अंतर्गत कर्व, लोअर, एसईजे बोर्ड, स्पीड इंडिकेटर बोर्ड, सभी लेवल क्रॉसिंग बोर्ड की मरम्मत, प्लेटफॉर्म और एलसी पर लकड़ी के ब्लॉक लगाना, प्री–कास्टेड फाउलिंग मार्क, ट्रैक की देखरेख, स्क्रैप का संग्रह और निपटान, अन्य विविध कार्य। बी) एडीएन (पूर्व) पनवेल सेक्शन में एसएसई पी–वे / पेन के अंतर्गत ट्रैक और प्लेटफॉर्म पर वनस्पति हटाना। **लगभग कीमत** 144.27 लाख रुपये **ईएमडी** 222100 रुपये **पूरा होने की अवधि** –12 महीने। **क्रमसंख्या– 3. कार्य का नाम: ए)** एसएसई पी–वे भिवंडी के अंतर्गत कर्व, लोअर, एसईजे बोर्ड, स्पीड इंडिकेटर बोर्ड, सभी लेवल क्रॉसिंग बोर्ड की मरम्मत, प्लेटफॉर्म और एलसी पर लकड़ी के ब्लॉक लगाना, प्री–कास्टेड फाउलिंग मार्क लगाना, ट्रैक की देखरेख, स्क्रैप का संग्रहण और निपटान, अन्य विविध कार्य। बी) एसएसई पी–वे / भिवंडी के अंतर्गत एडीएन (पश्चिम) पनवेल सेक्शन में ट्रैक और प्लेटफॉर्म पर वनस्पति हटाना। **लगभग कीमत** Rs.120.16 लाख EMD Rs. 210100 **पूरा होने का समय** : 12 महीने। **क्रमसंख्या– 4. कार्य का नाम: ए)** एसएसई पी–वे पनवेल ईस्ट के अंतर्गत कर्व, लोअर, एसईजे बोर्ड, स्पीड इंडिकेटर बोर्ड, सभी लेवल क्रॉसिंग बोर्ड की मरम्मत, प्लेटफॉर्म और एलसी पर लकड़ी के ब्लॉक लगाना, प्री–कास्टेड फाउलिंग मार्क लगाना, ट्रैक की देखरेख, स्क्रैप का संग्रहण और निपटान, और अन्य विविध कार्य। बी) एडीएन (ईस्ट) पनवेल सेक्शन में एसएसई पी–वे / पनवेल ईस्ट के अंतर्गत ट्रैक और प्लेटफॉर्म पर वनस्पति हटाना। **लगभग कीमत** Rs.108.47 लाख EMD Rs. 204200 **पूरा होने का समय** : 12 महीने। **क्रमसंख्या– 5. कार्य का नाम: ए)** एसएसई पी–वे पनवेल पश्चिम के अंतर्गत कर्व, लोअर, एसईजे बोर्ड, स्पीड इंडिकेटर बोर्ड, सभी लेवल क्रॉसिंग बोर्ड की मरम्मत, प्लेटफॉर्म और एलसी पर लकड़ी के ब्लॉक लगाना, प्री–कास्टेड फाउलिंग मार्क लगाना, ट्रैक की देखरेख, स्क्रैप का संग्रह और निपटान, अन्य विविध कार्य। बी) एसएसई पी–वे / पनवेल पश्चिम के अंतर्गत एडीएन (पश्चिम) पनवेल सेक्शन में ट्रैक और प्लेटफॉर्म पर वनस्पति हटाना। **लगभग कीमत** Rs.119.15 लाख **EMD** Rs. 209600 **पूरा होने का समय** : 12 महीने। **क्रमसंख्या– 6. कार्य का नाम:** (दो पैकेट) कोपर – जुईचंद्र :– कोपर से जुईचंद्र सेक्शन और सीटीआई ठाकुरली संस्थान, छात्रावास, 52 – चावल कॉलोनी तक निर्माण सीमा दीवार। **लगभग कीमत** Rs.3229.26 लाख **EMD** Rs.1764600 पूरा होने का समय : 24 महीने। **क्रमसंख्या– 7. कार्य का नाम:** सीएसएमटी– पीएफ नंबर–7, सीएसएमटी स्थित टीएमएस भवन की संरचनात्मक मरम्मत। **लगभग कीमत** Rs. 363.59 लाख **EMD** Rs. 331800 **पूरा होने का समय** : 8 महीने। **क्रमसंख्या– 8. कार्य का नाम: ए)** एडीईएन / ई / पनवेल के अंतर्गत रोहा और पेन में रनिंग रूम की मरम्मत। बी) एडीईएन / ई / पनवेल के अंतर्गत रोहा–पनवेल खंड में सर्विस भवनों की रंगाई। **लगभग कीमत** Rs.237.12 लाख **EMD** Rs. 268600 **पूरा होने का समय** : 12 महीने। उक्त निविदा का, निविदा बंद करने की तारीख और समय क्र.1,2,3,4 और 5 दिनांक 16.01.2026 और क्र.6,7 और 8 दिनांक 20.01.2026 को 15.00 बजे तक और 15.00 बजे के बाद खोला जाएगा निविदा और शुद्धिपत्र के विवरण हेतुं अग्रदर्शी निविदाओं के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर भेट देने का अनुरोध है। इलेक्ट्रॉनिक वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप सेटेंडर से ऊपर ई–टेंडर में भाग लिया जा सकता है और ई–टेंडर के खिलाफ मैनुअल स्ताव प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है। मैन्युअल रूप से, यदि प्रस्तुत किया गया है तो न तो खोला जाएगा और न ही माना जाएगा। **www.ireps.gov.in** वेबसाइट में प्राकृति क नियम के अनुसार उपलब्ध किए गएई पेमेन्ट के माध्यम से नकद में जमा की जाएगी या भारत के किसी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारंटी बांड के रूप में जमा की जाएगी या जैसा कि निविदा दस्तावेजों में उल्लेख किया गया है। अतिरिक्त जानकारी के लिए संपर्क : मंडल रेल प्रबंध क (कार्य) कार्यालय, मध्य रेल। फोन: 022–67455323 यह निविदाएं सार्वजनिक खरीदनीति आदेश 2017 दिनांक 16.9.2017 के अनुरूप है। निवीदाओं संबंधी संपूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा संबंधी संपूर्ण विवरण उपरोक्त कार्यालय, मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), तीसरी मंजील, कंम्पूटरीकृत आरक्षण केंद्र के ऊपर, छशिमटमुंबई:400001 के " नोटिसबोर्ड" पर भी उपलब्ध है।

782 **मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) मुंबई छशिमट**

टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करे

न्यूज़ ब्रीफ

ऑल इंडिया रेलवे गोल्फ चैंपियनशिप में बरेका का परचम

वाराणसी। कपूरथला स्थित रेल कोच फैक्ट्री के गोल्फ कोर्स में आयोजित 69वीं ऑल इंडिया रेलवे गोल्फ चैंपियनशिप में बनारस लोकोमोटिव वर्क्स (बरेका) की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता के समापन पर बरेका ने कुल 448 के स्कोर के साथ पहला स्थान हासिल किया, जबकि मेज़बान रेल कोच फैक्ट्री कपूरथला की टीम 452 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही। साउथ सेंट्रल रेलवे, सिकंदराबाद की टीम ने 472 के स्कोर के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। टीम स्पर्धा के साथ-साथ व्यक्तिगत मुकाबलों में भी खिलाड़ियों ने प्रभाव छोड़ा। आरसीएफ के युवराज सिंह ने लॉन्गेस्ट ड्राइव स्पर्धा जीतते हुए 141 के ग्रॉस स्कोर के साथ सर्वश्रेष्ठ गोल्फर का सम्मान हासिल किया। बरेका के गुलफाम हुसैन और इमामुल हक ने 148-148 के स्कोर के साथ क्रमशः प्रथम और द्वितीय उपविजेता का स्थान प्राप्त किया। बरेका की इस उपलब्धि पर महाप्रबंधक सोमेश कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारियों और खेलकूद संघ पदाधिकारियों ने टीम को बधाई देते हुए इसे संस्थान के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया।

शिक्षिका ने राष्ट्रपति से मांगी इच्छामृत्यु

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में एक शिक्षिका द्वारा न्याय न मिलने का आरोप लगाते हुए राष्ट्रपति से इच्छा मृत्यु की अनुमति मांगे जाने का मामला सामने आया है। शिक्षिका ने साथ ही प्रशासन से शांतिपूर्ण प्रदर्शन और धरना देने की अनुमति के लिए भी प्रार्थना पत्र सौंपा है, जिससे जिले में यह प्रकरण चर्चा का विषय बन गया है। खैला हजारीलाल मेमोरियल इंटर कॉलेज में सहायक अध्यापिका (गृह विज्ञान) के पद पर तैनात निधि शर्मा ने पुलिस अधीक्षक बागपत को आवेदन देकर 12 जनवरी को पैदल मार्च और कलेक्ट्रेट परिसर में धरने की अनुमति मांगी है। उनका कहना है कि कथित उत्पीड़न और छेड़छाड़ की घटना के बावजूद उनकी शिकायत पर पुलिस ने अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं की, जिससे वे मानसिक रूप से आहत हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि न्याय न मिलने की स्थिति में वे राष्ट्रपति, भारत सरकार को इच्छा मृत्यु की अनुमति के लिए आवेदन देने का निर्णय लेने को विवश होंगी। इस प्रस्तावित आंदोलन में विभिन्न सामाजिक और शिक्षक संगठनों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। वहीं, चांदीनगर थाना प्रभारी ने इसे शिक्षा विभाग से जुड़ा पुराना विवाद बताते हुए कहा कि थाने में इस संबंध में कोई औपचारिक शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

नकदी, आईफोन के साथ रोडवेज बस में मिली नाबालिग

मीरजापुर। शहर के कटरा कोतवाली क्षेत्र स्थित रोडवेज बस अड्डे पर शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब चाइल्डलाइन टीम को एक नाबालिग लड़की संदिग्ध हालात में मिली। मौके पर की गई तलाशी में उसके पास से एक लाख 54 हजार 700 रुपये नकद और एक आईफोन बरामद किया गया, जिसके बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल संबंधित विभागों को सूचित किया गया।

रक्षा और ईवी उत्पादन का केंद्र बना UP: राजनाथ सिंह

डीबीडी संवाददाता | लखनऊ

देश की सामरिक मजबूती को नई दिशा देते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि अब भारतीय सेनाओं के लिए हथियार, गोला-बारूद और युद्धपोतों से जुड़ा अत्याधुनिक उपकरण उत्तर प्रदेश में ही तैयार किया जाएगा। लखनऊ स्थित ब्रह्मोस संयंत्र का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह आत्मनिर्भर भारत की स्पष्ट तस्वीर है, जहां मिसाइल जैसी उन्नत रक्षा तकनीक अब विदेशों पर निर्भर नहीं, बल्कि देश और प्रदेश की धरती पर विकसित हो रही है। शुक्रवार को लखनऊ में अशोक लीलैंड के नए इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण संयंत्र के उद्घाटन अवसर पर रक्षा मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में स्थापित डिफेंस कॉरिडोर ने राज्य को रक्षा उत्पादन का प्रमुख हब बना दिया है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी तथा उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी उपस्थित रहे। राजनाथ सिंह ने रक्षा क्षेत्र में हुए व्यापक बदलावों की ओर इशारा करते हुए बताया कि वर्ष 2014 में जहां देश का रक्षा उत्पादन लगभग 46 हजार करोड़ रुपये तक सीमित था, वहीं आज यह बढ़कर 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है। इसी तरह रक्षा निर्यात भी ऐतिहासिक बढ़त के साथ एक हजार करोड़ रुपये से कम के स्तर से छलांग लगाकर लगभग 24 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

ईवी संयंत्र यूपी पर बढ़ते भरोसे का प्रतीक

उन्होंने कहा कि अशोक लीलैंड का यह नया संयंत्र केवल एक औद्योगिक परियोजना नहीं, बल्कि सरकार की नीतियों और राज्य की कारोबारी अनुकूलता पर उद्योग जगत के बढ़ते विश्वास का प्रमाण है। बेहतर कानून व्यवस्था, मजबूत बुनियादी ढांचा और विस्तृत सड़क नेटवर्क के कारण आज लखनऊ जैसे शहर में अत्याधुनिक ईवी फैक्ट्री संभव हो सकी है।

रिकार्ड 18 माह में तैयार हुआ उत्पादन केंद्र

रक्षा मंत्री ने बताया कि करीब 70 एकड़ में फैला यह संयंत्र निर्धारित समय से पहले, मात्र 18 महीनों में तैयार किया गया है। उत्पादन शुरू होने के बाद यहां हर महीने लगभग 2,500 इलेक्ट्रिक वाहन तैयार किए जाएंगे। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और आने वाले वर्षों में हजारों करोड़ रुपये के निवेश की संभावनाएं खुलेंगी।

2047 तक अग्रणी भूमिका निभाएगा उत्तर प्रदेश

राजनाथ सिंह ने विश्वास जताया कि विकसित भारत का मार्ग विकसित उत्तर प्रदेश से होकर ही जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक, जब देश आजादी के 100 वर्ष पूरे करेगा, तब उत्तर प्रदेश रोजगार, उद्योग, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा होगा। आज प्रदेश की पहचान ऐसे राज्य के रूप में बन रही है, जहां युवाओं को रोजगार के लिए बाहर नहीं जाना पड़ता।

माघ मेला: यहां है आयुर्वेद से भी उपचार का इंतजाम

- खोले गए आयुर्वेद और होम्योपैथ के पांच-पांच अस्पताल
- एलोपैथ से किनारा कर रोजाना पहुंच रहे हैं सैकड़ों मरीज

प्रयागराज। माघ मेला में देश-प्रदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस वर्ष आयुष पद्धति पर विशेष जोर दिया गया है। राष्ट्रीय आयुष मिशन, उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में मेला क्षेत्र में कुल दस चिकित्सा शिविर संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें पांच आयुर्वेदिक और पांच होमियोपैथिक अस्पताल शामिल हैं। इन केंद्रों पर प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु उपचार और परामर्श के लिए पहुंच रहे हैं। माघ मेला प्रभारी डॉ. मनोज ने बताया कि आयुष मंत्रालय के निर्देश पर श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मेला क्षेत्र के प्रमुख और भीड़भाड़ वाले मार्गों पर ये अस्पताल स्थापित किए गए हैं। मुख्य आयुर्वेदिक व होमियोपैथिक केंद्र परेड ग्राउंड में फोर्ट रोड के किनारे, संगम से वापसी मार्ग पर संचालित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त एक अस्पताल मेला क्षेत्र की काली सड़क के समीप तथा एक अन्नपूर्णा मार्ग पर श्रद्धालुओं की सेवा में सक्रिय है। उन्होंने बताया कि यमुना नदी के तट पर अरैल क्षेत्र में दो अस्पताल विशेष रूप से कल्पवासियों और दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं के लिए स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों पर अनुभवी चिकित्सकों के साथ प्रशिक्षित पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती की गई है, ताकि किसी भी स्वास्थ्य समस्या का त्वरित समाधान किया जा सके। डॉ. मनोज के अनुसार सभी आयुर्वेदिक और

आयुर्वेद की ओर बढ़ता भरोसा

पिछले कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में आयुर्वेदिक उपचार के प्रति लोगों का विश्वास लगातार मजबूत हुआ है। योग, प्राकृतिक चिकित्सा और आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे अभियानों का सीधा असर देखने को मिल रहा है। आयुष मंत्रालय के प्रयासों से आयुर्वेद अब केवल वैकल्पिक चिकित्सा नहीं, बल्कि जीवनशैली से जुड़ा उपचार बनता जा रहा है। उत्तर प्रदेश में सरकारी अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और मेलों-महोत्सवों में आयुर्वेदिक चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार किया गया है। माघ मेला जैसे बड़े धार्मिक आयोजनों में आयुर्वेदिक अस्पतालों में बढ़ती भीड़ इस बात का संकेत है कि लोग दुष्प्रभाव रहित और प्राकृतिक उपचार की ओर तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार आने वाले समय में आयुर्वेद न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी स्वास्थ्य सेवा का मजबूत विकल्प बनकर उभरेगा।

निरंतर मजबूत हो रहा सनातन धर्मः स्वामी विश्वेश्वरानंद

फर्रुखाबाद। गंगा तट स्थित पांचाल घाट पर आयोजित मेला श्री रामनगरिया में शुक्रवार को जूना अखाड़ा के राष्ट्रीय प्रवक्ता स्वामी विश्वेश्वरानंद जी महाराज का आगमन हुआ। मेला क्षेत्र में पहुंचते ही उन्होंने व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और आयोजन से जुड़े संतों व पदाधिकारियों से संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने सनातन धर्म की एकता और सुदृढ़ता को समय की आवश्यकता बताया। स्वामी विश्वेश्वरानंद महाराज ने जूना अखाड़ा मेला रामनगरिया के अध्यक्ष सत्यगिरी महाराज के आश्रम में कुछ समय व्यतीत किया। संतों और श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सनातन धर्म निरंतर मजबूत हुआ है और आगे भी इसकी मजबूती आपसी एकजुटता से ही संभव है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हिंदू समाज की शक्ति उसकी एकता में निहित है और इसी से सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा होगी। मेला क्षेत्र में उनके आगमन पर श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठनों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। फर्रुखाबाद विकास मंच के जिला अध्यक्ष भईयन मिश्रा, राष्ट्रीय बजरंग दल के विभाग अध्यक्ष कोमल पांडे उर्फ अंगद सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य नागरिकों ने महाराज का अभिनंदन किया।

उत्तरकाशी में वनाग्नि का कहर, जल रहे घाटी के जंगल

उत्तरकाशी। लंबे समय से वर्षा और बर्फबारी न होने के कारण उत्तरकाशी जिले की गंगा-यमुना घाटी के जंगलों में भीषण आग फैल गई है। बीते दो दिनों से यमुना वन प्रभाग और टौंस वन प्रभाग के अंतर्गत आने वाले कई क्षेत्रों में वनाग्नि लगातार धधक रही है, जिससे वन संपदा को व्यापक क्षति पहुंचने के साथ ही वन्य जीवों के अस्तित्व पर भी गंभीर खतरा पैदा हो गया है। जानकारी के अनुसार कंसेरु, हुडोली, मोल्डा, मोरी, मियागाड़, खरसाड़ी सहित डंडा, टकनौर और मुखेम रेंज के जंगल आग की चपेट में हैं। इन वनों के बीच से गुजरने वाली पेयजल योजनाओं और जलस्रोतों पर भी संकट गहराने लगा है, क्योंकि आग से चौड़ी पत्ती वाले पेड़ों को भारी नुकसान पहुंचा है। ग्रामीणों ने स्थिति की सूचना वन विभाग को देकर त्वरित कार्रवाई की मांग की है। वहीं, प्रभागीय वनाधिकारी डी.पी. बलूनी ने संबंधित वन कर्मियों को मौके पर भेजकर आग पर शीघ्र नियंत्रण के निर्देश जारी किए हैं।

क्यों भड़क रही है जंगलों में आग

वन विभाग के अनुसार जिले में लंबे समय से वर्षा और हिमपात न होने के कारण जंगलों में अत्यधिक सूखापन बना हुआ है। जमीन पर जमी सूखी पत्तियां, चीड़ की सुई और घास आग को तेजी से फैलने में मदद कर रही हैं। इसके अलावा पहाड़ी क्षेत्रों में चलने वाली तेज हवाएं भी आग को नियंत्रित करने में बाधा बन रही हैं। कुछ स्थानों पर मानवीय लापरवाही की आशंका से भी इंकार नहीं किया जा रहा है।जंगलों में लगी आग से चौड़ी पत्ती वाले पेड़ों को भारी नुकसान पहुंचा है, जो प्राकृतिक जलस्रोतों को संरक्षित रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। वन क्षेत्र के भीतर से गुजरने वाली कई पेयजल योजनाएं भी खतरे में पड़ गई हैं, जिससे आगामी गर्मियों में पानी की किल्लत गहराने की आशंका है। इसके साथ ही वन्य जीवों के आवास नष्ट होने से उनका सुरक्षित क्षेत्रों की ओर पलायन बढ़ रहा है, जिससे मानव-वन्य जीव संघर्ष की संभावना भी बढ़ सकती है।

ग्रामीण विकास को अधिकार से जोड़ता है 'वीबी-जी राम जी' कानूनः स्वतंत्रदेव

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के जल शक्ति मंत्री और प्रयागराज के प्रभारी मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा है कि 'विकसित भारत गारंटी फॉर रोज़गार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)' यानी 'वीबी-जी राम जी' अधिनियम का मूल उद्देश्य गांव, गरीब और किसान को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सहित विपक्षी दल इस कानून को लेकर जनता में भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि यह अधिनियम विकसित भारत-2047 की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक ठोस कदम है। शुक्रवार को शहीद चन्द्रशेखर आजाद सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए मंत्री ने कहा कि यह कानून ग्रामीण रोजगार को केवल सहायता योजना नहीं, बल्कि कानूनी रूप से सुनिश्चित विकासात्मक अधिकार के रूप में स्थापित करता है। इसके तहत ग्रामीण परिवारों को मिलने वाले रोजगार के दिनों को बढ़ाकर 125 किया गया है, जबकि खेती से जुड़े कार्यों के लिए 60 दिन अलग से आरक्षित किए गए हैं। इस प्रकार ग्रामीण परिवारों को कुल 185 दिनों तक रोजगार की गारंटी दी गई है। उन्होंने बताया कि अब कार्यों को बिखरी हुई श्रेणियों के बजाय चार प्रमुख क्षेत्रों—जल सुरक्षा, ग्रामीण अवसंरचना, आजीविका संपत्ति और जलवायु संरक्षण—में समाहित किया गया है, जिससे योजनाओं का प्रभाव अधिक व्यापक और टिकाऊ होगा।

व्यापार जगत

बाजार से चार अरब डालर जुटाने की तैयारी में रिलायंस जियो

- 2.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बाजार में उतारने की तैयारी
- रिलायंस जियो प्लेटफॉर्म्स की आईपीओ तैयारी तेज
- देश के सबसे बड़े पब्लिक इश्यू की बन रही संभावना

मुंबई। मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड चालू वर्ष में शेयर बाजार में उतरने की तैयारी कर रही है। अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी अपने प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के तहत लगभग 2.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बाजार में उतार सकती है। अनुमान है कि इस इश्यू के जरिए 4 अरब डॉलर से अधिक की पूंजी जुटाई जा सकती है, जिससे यह भारत के अब तक के सबसे बड़े आईपीओ के रूप में उभर सकता है। रिलायंस जियो, देश की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी है और इसके उपभोक्ताओं की संख्या 50 करोड़ से अधिक बताई जा रही है। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि जियो का आईपीओ निवेशकों के बीच जबरदस्त आकर्षण पैदा करेगा और यह इस साल के सबसे बहुप्रतीक्षित पब्लिक इश्यू में शामिल रहेगा। निवेश बैंक जेफरीज ने हाल ही में जियो की वैल्यूएशन करीब 180 अरब डॉलर आंकी थी, जिसके आधार पर सीमित हिस्सेदारी की बिक्री से भी बड़ी रकम जुटाई जा सकती है। हालांकि, रिलायंस की ओर से अभी आईपीओ के आकार और वैल्यूएशन को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

पारंपरिक टेलीकाम से आगे बढ़ी रिलायंस जियो

पिछले कुछ वर्षों में रिलायंस जियो ने पारंपरिक टेलीकॉम से आगे बढ़ते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल सेवाओं समेत कई नए क्षेत्रों में कदम रखा है। इस विस्तार के दौरान कंपनी ने केकेआर, जनरल अटलांटिक, सिल्वर लेक और अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी जैसे वैश्विक निवेशकों से बड़ी पूंजी जुटाई है, जिससे इसकी बाजार स्थिति और मजबूत हुई है।

कम हिस्सेदारी से शेयरों की कीमत होगी हाई

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कंपनी के विशाल आकार को देखते हुए केवल 2.5 प्रतिशत शेयरों की लिस्टिंग पर विचार किया जा रहा है। यह ऐसे समय में प्रस्तावित है जब सेबी बड़े आईपीओ के लिए न्यूनतम पब्लिक शेयरहोल्डिंग की सीमा घटाने पर विचार कर रहा है। जानकारों के अनुसार, कम हिस्सेदारी की बिक्री से शेयरों की कीमत को लेकर प्रतिस्पर्धा बढ़ती है और इससे बेहतर वैल्यूएशन हासिल करने में मदद मिलती है।

BCCL का आईपीओ लॉन्च, एक लाट में 600 शेयर

खरीदी के लिए 13 जनवरी तक खुला रहेगा सब्सक्रिप्शन

नई दिल्ली। कोल इंडिया की सहायक कंपनी भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) का 1,071.11 करोड़ रुपए का आईपीओ आज निवेशकों के लिए लॉन्च कर दिया गया है। सब्सक्रिप्शन 13 जनवरी तक खुला रहेगा, जिसके बाद 14 जनवरी को शेयर अलॉट किए जाएंगे और 15 जनवरी को डीमैट अकाउंट में क्रेडिट किए जाएंगे। बीसीसीएल के शेयर 16 जनवरी को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। प्राइस बैंड 21-23 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है, जबकि एक लॉट में 600 शेयर शामिल हैं। इस आईपीओ में रिटेल निवेशकों के लिए न्यूनतम 1 लॉट और अधिकतम 14 लॉट तक बोली लगाने का विकल्प है। एंकर निवेशकों ने इश्यू से पहले कुल 273.13 करोड़ रुपए का निवेश किया, जिसमें एलआईसी, निप्पन लाइफ इंडिया म्यूचुअल फंड और बंधन म्यूचुअल फंड प्रमुख रहे। आईपीओ का 42.50 प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (QIBs), 29.75 प्रतिशत रिटेल निवेशकों, 12.75 प्रतिशत नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (NIIs), 5 प्रतिशत कर्मचारियों और 10 प्रतिशत पुराने शेयरधारकों के लिए रिजर्व है।

कंपनी पर 1,559.13 करोड़ रुपए का कर्ज

बीसीसीएल की वित्तीय स्थिति पिछले वर्षों में उतार-चढ़ाव के साथ रही है। FY 2022-23 में कंपनी को 664.78 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ, जो FY 2023-24 में बढ़कर 1,564.46 करोड़ रुपए और FY 2024-25 में 1,240.19 करोड़ रुपए पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही में कंपनी ने 123.88 करोड़ रुपए का लाभ कमाया। राजस्व FY 2022-23 में 13,018.57 करोड़ रुपए से बढ़कर FY 2023-24 में 14,652.53 करोड़ रुपए और FY 2024-25 में 14,401.63 करोड़ रुपए रहा। पहली छमाही में 6,311.51 करोड़ रुपए का राजस्व दर्ज किया गया। कंपनी का कुल कर्ज 30 सितंबर 2025 तक 1,559.13 करोड़ रुपए था। ईबीआईटीडीए में भी उतार-चढ़ाव देखा गया। FY 2022-23 में ईबीआईटीडीए 891.31 करोड़ रुपए था, जो FY 2023-24 में बढ़कर 2,493.89 करोड़ रुपए और FY 2024-25 में 2,356.06 करोड़ रुपए पर आया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही में यह 459.93 करोड़ रुपए पर रहा।

बैंक और नियामक एक ही टीम के खिलाड़ी: गर्वनर

रिजर्व बैंक आफ इंडिया के गवर्नर संजय मल्होत्रा का स्पष्ट संदेश

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को मुंबई में 'कॉलेज ऑफ सुपरवाइजर्स' के तीसरे वार्षिक वैश्विक सम्मेलन में स्पष्ट किया कि केंद्रीय बैंक बैंकों का निरीक्षक नहीं बल्कि उनका भागीदार है। उन्होंने कहा कि जब बैंक और अन्य वित्तीय संस्थाएं आरबीआई को "गलतियां निकालने वाला इंस्पेक्टर" नहीं, बल्कि साझेदार के रूप में देखेंगी, तभी पर्यवेक्षण सबसे प्रभावी साबित होगा। मल्होत्रा ने जोर देकर कहा कि भारत जैसे देश में नियामक और बैंकिंग संस्थाओं के बीच सहयोग न केवल जरूरी है, बल्कि यह वित्तीय समावेशन और स्थिरता के लिए अनिवार्य है।

सजा नहीं यह सुधार का लक्ष्य

गवर्नर ने स्पष्ट किया कि आरबीआई की प्रवर्तन कार्रवाइयों का मकसद दंड देना नहीं बल्कि सुधार करना है। ये कार्रवाई दो उद्देश्य साधती हैं-पहला, जिन संस्थाओं के खिलाफ कदम उठाए गए हैं उन्हें संकेत देना और दूसरा, सभी वित्तीय संस्थाओं को नियामक अपेक्षाओं के प्रति जागरूक करना। उन्होंने यह भी बताया कि पर्यवेक्षण का काम केवल नियम लागू करना नहीं है, बल्कि यह कमियों और गड़बड़ियों की पहचान कर नीतियों में सुधार करने में मदद करता है। मल्होत्रा ने कहा कि बैंक और नियामक विरोधी नहीं हैं, बल्कि एक ही टीम का हिस्सा हैं। उनका साझा उद्देश्य वित्तीय प्रणाली को विकसित करना, उसमें स्थिरता लाना और विश्वसनीयता सुनिश्चित करना है।

शेयर बाजार में गिरावट जारी, 4.45 लाख करोड़ का नुकसान

- लाल निशान पर बंद हुआ घरेलू शेयर बाजार

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज शुक्रवार को लाल निशान में बंद हुआ। सेंसेक्स 604.72 अंक की कमजोरी के साथ 83,576.24 पर और निफ्टी 193.55 अंक लुढ़ककर 25,683.30 पर बंद हुए। बाजार की लगातार बिकवाली के कारण बीएसई लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटल 4.45 लाख करोड़ रुपए घटकर 467.80 लाख करोड़ रुपए पर आ गया। दिन भर कारोबार में आईटी, पीएसयू बैंक और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में खरीदारी रही, लेकिन ऑटोमोबाइल, रियल्टी, एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्युरेबल्स सेक्टर में भारी बिकवाली देखने को मिली। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स क्रमशः 0.90 प्रतिशत और 1.74 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

ओएनजीसी, एचसीएल के शेयर मजबूत

एशियन पेंट्स, ओएनजीसी और एचसीएल टेक जैसे शेयर मामूली मजबूती दिखाने में कामयाब रहे, जबकि अदानी एंटरप्राइजेज, एनटीपीसी और जियो फाइनेंशियल के शेयर सबसे अधिक कमजोर रहे। विशेषज्ञों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में बिकवाली और वैश्विक आर्थिक दबाव के कारण घरेलू निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ और दिन भर बाजार में दबाव बना रहा।

बंगाल में ईडी की कार्रवाई का दिल्ली तक विरोध

- हाईकोर्ट में सुनवाई टली
- सीएम ममता का मार्च शुरू

एजेंसी । कोलकाता

पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले वहां सियासी पारा हाई है। एक दिन पहले जहां प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने राज्य की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (TMC) के पॉलिटिकल कंसल्टेंट I-PAC के ऑफिस और उसके निदेशक प्रतीक जैन के ठिकानों पर छापेमारी की, वहीं इसके खिलाफ पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कोलकाता में रैली निकाली। इस दौरान बनर्जी ने केंद्र सरकार पर जानबूझकर चुनावों से पहले केंद्रीय एजेंसियों के इस्तेमाल का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि अगर उन पर और उनकी सरकार पर हद से ज़्यादा दबाव डाला गया, तो वह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कथित कोयला घोटाले में शामिल होने से संबंधित पेन ड्राइव जारी कर देंगे। मुख्यमंत्री बनर्जी ने दावा किया कि उनके पास एक पेन ड्राइव है, जो कथित तौर पर कोयला घोटाले में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की संलिप्तता से जुड़ी हैं। कोलकाता में ED की रेड के खिलाफ विरोध मार्च के दौरान बड़ी भीड़ को संबोधित करते हुए ममता ने कहा, "मेरे पास एक पेन ड्राइव हैं। मैं जिस पद पर हूं, उसकी इज़्ज़त करते हुए अभी तक चुप हूं। मुझ पर ज़्यादा दबाव मत डालो। नहीं तो मैं सब कुछ बता दूंगी... पूरा देश हैरान रह जाएगा।"

सड़कों पर भारी भीड़ जमा रही

जाधवपुर के 8 बी बस स्टैंड से शुरू हुआ यह मार्च दक्षिण कोलकाता के विभिन्न हिस्सों से होता हुआ शाम लगभग साढ़े चार बजे हाजरा मोड़ पर समाप्त हुआ। मार्च के दौरान सड़कों पर भारी भीड़ जमा रही और हजारों समर्थकों ने झंडों और नारों के साथ मुख्यमंत्री का साथ दिया। हाजरा में मार्च समाप्त होने पर सुश्री बनर्जी ने स्पष्ट संदेश दिया कि वे केंद्र के कथित दमन के खिलाफ सड़क पर उतरकर अपना विरोध जारी रखेंगी।

यह विरोध केंद्र सरकार के अन्याय और अपमान के खिलाफ

ममता बनर्जी ने कहा कि दिल्ली में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं को कोयला घोटाले की राशि मिली है, जरूरत पड़ने पर मैं जनता के सामने सबूत पेश करुंगी। मार्च शुरू होने से पहले सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा कि यह विरोध केंद्र सरकार के अन्याय और अपमान के खिलाफ है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के शब्दों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ईडी के कार्रवाई के विरोध में अब सड़क ही हमारा जवाब है। बनर्जी ने आरोप लगाया कि छापेमारी का असली उद्देश्य उनकी पार्टी की चुनावी रणनीतियों और गोपनीय दस्तावेजों को जब्त करना था। उन्होंने इसे एक अपराध करार देते हुए कहा कि केंद्रीय एजेंसी ने तृणमूल कांग्रेस की चुनावी जानकारी स्थानांतरित कर दी है।

ईडी के छापे राजनीति से प्रेरित: ममता बनर्जी

मुख्यमंत्री ने सीधे तौर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए इन छापों को राजनीति से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा कि जनता ही इस अपमान का जवाब देगी। इस विरोध मार्च के दौरान बनर्जी के साथ फिरहाद हकीम और अरूप विश्वास जैसे वरिष्ठ मंत्री, सांसद और अभिनेता देव, विधायक सोहम के साथ-साथ पार्टी के कई सांसद, विधायक और सांस्कृतिक जगत की हस्तियां शामिल हुईं। उल्लेखनीय है कि यह विरोध प्रदर्शन गुरुवार को आई पैक प्रमुख प्रतीक जैन के लाउडन स्ट्रीट स्थित आवास और साल्ट लेक स्थित कार्यालय पर हुई ईडी की कार्रवाई के बाद आयोजित किया गया था। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार सुबह साल्ट लेक कार्यालय के बाहर ही इस विरोध मार्च की घोषणा कर दी थी।

हाइपरसोनिक मिसाइल विकास में भारत ने हासिल की सफलता

12 मिनट तक लगातार स्क्रैमजेट इंजन का टेस्ट

एजेंसी । हैदराबाद

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के हैदराबाद स्थित रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल) ने हाइपरसोनिक मिसाइल के विकास में एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। इस बात की जानकारी रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर के दी। मंत्रालय ने बताया कि डीआरडीएल ने एक्टिवली कूल्ड स्क्रैमजेट फुल स्केल कम्बस्टर का लंबी अवधि का ग्राउंड टेस्ट सफलतापूर्वक किया। इस टेस्ट में उपकरण ने 12 मिनट से अधिक लगातार काम किया, जो हाइपरसोनिक टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में एक बड़ा मील का पत्थर है। यह टेस्ट स्क्रैमजेट कनेक्ट पाइप टेस्ट (एससीपीटी) सुविधा में 9 जनवरी 2026 को किया गया। इस सफलता से भारत की हाइपरसोनिक मिसाइल प्रौद्योगिकी और विकास में मजबूती आएगी और रक्षा क्षेत्र में नई क्षमताओं का निर्माण होगा। बता दें कि डीआरडीएल की यह उपलब्धि भारत के सुपरसोनिक और हाइपरसोनिक हथियार विकास में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

क्या होता है स्क्रैमजेट इंजन, यहां समझिए

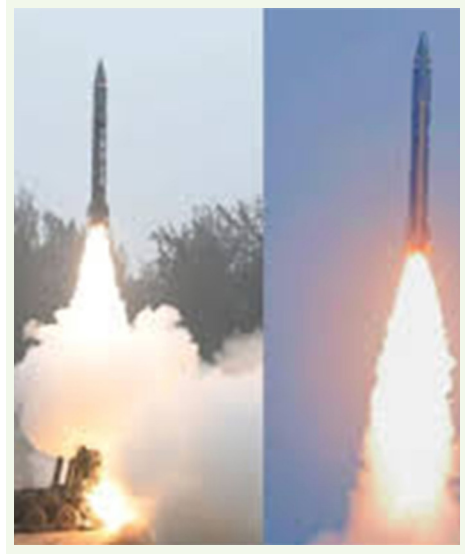

बता दें कि स्क्रैमजेट इंजन एक ऐसा विशेष जेट इंजन है जो अत्यधिक तेज गति (सुपरसोनिक और हाइपरसोनिक) पर हवा को सीधे अंदर खींचकर ईंधन के साथ जलाता है। इसके लिए इसमें कोई स्पर्शी कम्प्रेसर या टर्बाइन की जरूरत नहीं होती। इसका मतलब यह है कि यह इंजन बहुत उच्च गति पर उड़ान भरने वाले मिसाइल और हवाई वाहन के लिए आदर्श है। स्क्रैमजेट इंजन हवा को रैम की तरह दबाकर ईंधन जलाता है, जिससे मिसाइल या विमान को सुपरसोनिक गति से 5 गुना या उससे ज्यादा तेज उड़ान भरने की शक्ति मिलती है। इस टेक्नोलॉजी की मदद से भारत हाइपरसोनिक मिसाइल और अत्याधुनिक रक्षा हथियारों में अग्रणी बन रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

कुत्तों को खाना खिलाने पर परेशान करने वालों पर केस दर्ज कराएं : कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कुछ सतर्कता समूहों द्वारा लावारिस कुत्तों को खाना खिलाने और देखभाल करने वाली महिलाओं सहित अन्य व्यक्ति को परेशान करने के आरोपों पर विचार करने से इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह कानून-व्यवस्था का मामला है और पीड़ित व्यक्ति इस बारे में प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करा सकते हैं। जस्टिस विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एन. वी. अंजारिया की विशेष पीठ ने कहा कि महज कुत्तों को खाना खिलाने या देखरेख के लिए किसी को परेशान या उत्पीड़ित करने का कृत्य अपराध है और पीड़ित व्यक्ति को ऐसे लोगों/समूहों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराएं या राहत पाने के लिए संबंधित हाईकोर्ट जाएं।

रिश्वत के मामले में सीपीआरआई के जॉइंट डायरेक्टर गिरफ्तार

बेंगलुरु। सीबीआई ने 9.5 लाख रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में सेंट्रल पावर रिसर्च इंस्टीट्यूट (CPRI) बेंगलुरु के जॉइंट डायरेक्टर राजाराम मोहनराव चेन्नू को गिरफ्तार किया है। सीबीआई के मुताबिक चेन्नू पर एक निजी कंपनी के इलेक्ट्रिकल उपकरणों की जांच रिपोर्ट देने के बदले रिश्वत लेने का आरोप है। इस मामले में कंपनी के डायरेक्टर अतुल खन्ना को भी गिरफ्तार किया गया है। सीबीआई ने चेन्नू के घर छापेमारी के दौरान करीब 3.76 करोड़ रुपए कैश और विदेशी करेंसी बरामद की है।

बुजुर्ग कश्मीरी पंडित दंपति पर हमला

श्रीनगर। श्रीनगर के राजबाग इलाके में एक बुजुर्ग कश्मीरी पंडित दंपति पर कथित तौर पर हमला करने के आरोप में एक बर्खास्त इंडियन रेवेन्यू सर्विस (IRS) अधिकारी सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। राजबाग में अशोक तोशखानी के घर पर हमले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया। पूर्व IRS अधिकारी विवेक बत्रा ने अपने साथियों के साथ घर में घुसकर परिवार के सदस्यों पर हमला किया। आरोपियों ने घर में आग लगाने की भी कोशिश की।

सेना प्रमुख की यूएई, श्रीलंका यात्रा से रक्षा संबंधों को मिली मजबूती

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी की हाल की संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और श्रीलंका की यात्रा से दोनों देशों के साथ रक्षा और सैन्य सहयोग को काफी मजबूती मिली है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। जनरल द्विवेदी ने 5–6 जनवरी को यूएई और 7–8 जनवरी को श्रीलंका का दौरा किया।

राजकोट में 12 घंटे में आए 7 भूकंप

राजकोट। गुजरात के राजकोट में पिछले 24 घंटे में भूकंप के 7 झटके महसूस किए गए। झटके हल्के थे जिससे किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है।सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक इन झटकों की तीव्रता 2.7 से 3.8 के बीच दर्ज की गई। एहतियात के तौर पर आसपास के स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप का केंद्र उपलेटा से 28 किमी दूर दर्ज किया गया। बार बार आ रहे झटकों से लोगों में बड़ें भूकंप का डर बैठ गया है।

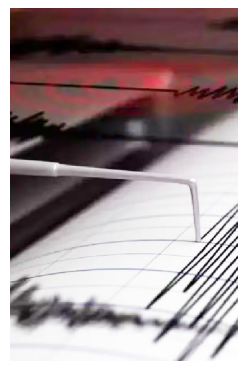

शुक्रवार सुबह 6 बार आया भूकंप

अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार सुबह 6 बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। पहला झटका सुबह 6:19 बजे, दूसरा झटका 6:55 बजे और तीसरा 6:58 पर आया। इसी तरह सुबह 7:10 पर पांचवां, 7:13 पर छठवां और 7:33 पर सातवां भूकंप आया। सुबह 6:19 बजे आए भूकंप की तीव्रता 3.8 मैग्नीट्यूड थी। वहीं गुरुवार रात 8:43 बजे भी झटका महसूस किया गया था।

सबरीमाला सोना चोरी मामला

अयप्पा मंदिर के मुख्य पुजारी गिरफ्तार

- ईडी ने दर्ज किया मनी लॉन्ड्रिंग का केस

तिरुवनंतपुरम। सबरीमाला सोना चोरी मामले की जांच कर रही विशेष जांच दल (एसआईटी) ने शुक्रवार को भगवान अयप्पा मंदिर के मुख्य पुजारी कंदरारू राजीव को गिरफ्तार किया है। सूत्रों ने बताया कि एसआईटी राजीव को गिरफ्तार करने के बाद एक अज्ञात जगह पर पूछताछ के लिए ले गई थी, बाद में उन्हें एसआईटी टीम ऑफिस लेकर आई, जहां उनकी औपचारिक गिरफ्तारी दर्ज की गई। वहीं दूसरी ओर सूत्रों ने दावा किया है कि ईडी ने केरल के सबरीमाला सोना चोरी मामले में मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया है।

सोना चोरी में मिली भगत आई सामने

एसआईटी के अधिकारियों ने बताया कि यह गिरफ्तारी मामले के मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी और त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष पद्मकुमार के बयानों के आधार पर की गई है। एसआईटी की जांच में सामने आया है कि राजीवरु के पोट्टी के साथ करीबी संबंध थे और उन्होंने मंदिर में द्वारपालक (रक्षक देवता) की प्लेटों तथा श्रीकोविल (गर्भगृह) के द्वार-फ्रेम की री-प्लेटिंग की सिफारिश की थी।

इस मामले में अब तक 11 लोग गिरफ्तार

जब त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड ने री-प्लेटिंग के लिए उनसे अनुमति मांगी, तो राजीवरु ने इसे मंजूरी दे दी थी। एसआईटी अधिकारियों के अनुसार, राजीवरु से इस मामले में पहले भी पूछताछ की जा चुकी है। केरल हाईकोर्ट द्वारा इस सोना चोरी मामले की जांच के लिए एसआईटी के गठन के बाद यह 11वीं गिरफ्तारी है।

सोना चोरी के दो मामलों की जांच कर रही एसआईटी

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को केरल में सबरीमाला सोना चोरी मामले में मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने पीएमएल की अलग-अलग धाराओं के तहत एक ईसीआईआर दर्ज की है। एसआईटी सोना चोरी की घटना से जुड़े दो मामलों की जांच कर रही है और अब तक 11 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। यह जांच भगवान अयप्पा मंदिर की अलग-अलग कलाकृतियों से सोने की हेराफेरी करने की आपराधिक साजिश, आधिकारिक कदाचार और प्रशासनिक चूक सहित कई अनियमितताओं से संबंधित है।

अंकिता भंडारी हत्याकांड की होगी सीबीआई जांच

उत्तराखंड के सीएम धामी ने की सिफारिश

देहरादून। लंबी खींचतान के बाद उत्तराखंड सरकार बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड मामले की जांच सीबीआई से कराने के लिए तैयार हो गई है। इस बारे में जानकारी देते हुए शुक्रवार को राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बताया कि अंकिता भंडारी के माता-पिता की बात का सम्मान करते हुए, हम इस मामले की जांच CBI को सौंपने की सिफारिश कर रहे हैं। अंकिता भंडारी पौड़ी जिले के एक रिसॉर्ट में कर्मचारी थी। आरोप है कि रिसॉर्ट में अंकित भंडारी पर किसी शख्स को 'विशेष सेवा' देने के लिए दवाब डाला गया था और इससे मना करने पर उसकी हत्या कर दी गई थी।

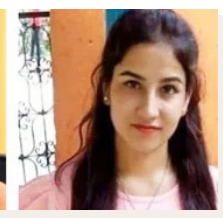

सरकार ने बिना भेदभाव की कार्रवाई: धामी

इस फैसले को लेकर सीएम धामी ने अपना एक वीडियो जारी किया, जिसमें उन्होंने कहा कि स्वर्गीय बहन अंकिता भंडारी के साथ हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन ने बिना किसी भेदभाव के और पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता के साथ कार्रवाई प्रारम्भ की और तत्काल एक महिला IPS अधिकारी के नेतृत्व में एक SIT का गठन किया गया और प्रकरण से जुड़े हुए सभी अभियुक्तों को तुरंत गिरफ्तार किया गया।

पहाड़ों से आ रही बर्फीली हवाओं से मैदान सर्द

नई दिल्ली/ जयपुर/ चंडीगढ़। हिमालयी राज्यों से आ रही बर्फीली हवाओं ने मैदानी राज्यों को सर्द बनाया हुआ है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड में अधिकतर स्थानों पर तापमान शून्य से नीचे बना हुआ है। वहीं, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा समेत सभी मैदानी राज्य शीतलहर से कांप रहे हैं। कुछ राज्यों में शुक्रवार को हल्की बारिश भी हुई। इसके बाद गलन वाली ठंड का अहसास हुआ। शुक्रवार को हरियाणा में गुरुग्राम और फरीदाबाद के अलावा पानीपत, भिवानी और झज्जर में हल्की बारिश हुई। कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान में पांच डिग्री तक गिर गया। शनिवार को भी 17 जिलों में शीतलहर चलने की चेतावनी जारी की गई है। राजस्थान के अनेक इलाकों में शीतलहर का दौर जारी है और बीते चौबीस घंटे में कई जगह हल्की बारिश दर्ज की गई।

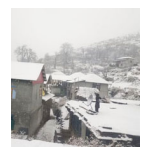

गृह मंत्री ने उपमुख्यमंत्री के दखल के दावों को किया खारिज

एजेंसी । बेंगलुरु

कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार द्वारा अपने विभाग के कामकाज में हस्तक्षेप करने को खारिज कर दिया। वह जेडी (एस) नेता और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी की उस टिप्पणियों का जवाब दे रहे थे, जिनमें शिवकुमार पर गृह विभाग के मामलों में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया गया था। इसके साथ ही बल्लारी झड़पों के संबंध में हाल ही में पुलिस अधिकारियों की बैठक बुलाने के शिवकुमार के अधिकार पर भी सवाल उठाया गया था।

वह जिम्मेदार मंत्री हैं: परमेश्वर

परमेश्वर ने कहा कि वह (शिवकुमार) एक जिम्मेदार मंत्री हैं, वह उपमुख्यमंत्री हैं। कुमारस्वामी शायद सही कह रहे हैं कि उपमुख्यमंत्री भी सिर्फ एक मंत्रिमंडल मंत्री होते हैं। संविधान के अनुसार उनके पास कोई अतिरिक्त शक्तियां नहीं होतीं। लेकिन, सरकार के प्रतिनिधि के तौर पर उनका वहां जाना गलत नहीं कहा जा सकता। वह मंत्रिमंडल मंत्री और उपमुख्यमंत्री होने की जिम्मेदारी निभाते हुए वहां गए हैं, क्योंकि मैं नहीं जा सका।" पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि शिवकुमार उपमुख्यमंत्री, मंत्री और सरकार के प्रतिनिधि होने के नाते बल्लारी गए थे। उन्होंने मृतक के परिवार से मुलाकात की थी।

दावोस बैठक में डोभाल, वैष्णव और मुकेश अंबानी लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली। एनएसए अजीत डोभाल, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और उद्योगपति मुकेश अंबानी सहित कई भारतीय दिग्गज स्विट्जरलैंड के दावोस में होने वाली वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक में भारत के एक बड़े और प्रभावशाली प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा होंगे। 18 से 24 जनवरी तक होने वाली इस पांच दिवसीय बैठक में कम से कम चार केंद्रीय मंत्री, छह मुख्यमंत्री और भारत के 100 से अधिक शीर्ष कारोबारियों के शामिल होने की संभावना है। इस साल बैठक का विषय 'संवाद की भावना' रखा गया है। अधिकारियों के अनुसार, भारतीय प्रतिनिधि कई चर्चाओं में हिस्सा लेंगे।

द्विपक्षीय बैठकों और भारत-केंद्रित कार्यक्रमों में भी भागीदारी

इसके अलावा द्विपक्षीय बैठकों और भारत-केंद्रित कार्यक्रमों में भी भागीदारी होगी। ये लोग होंगे शामिल केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ शिवराज सिंह चौहान, प्रल्हाद जोशी और के राम मोहन नायडू नजर आएंगे। मुख्यमंत्री महाराष्ट्र के देवेंद्र फडणवीस, आंध्र प्रदेश के एन चंद्रबाबू नायडू, असम के हिमंत बिस्व सरमा, मध्य प्रदेश के मोहन यादव, तेलंगाना के ए रेवंत रेड्डी और झारखंड के हेमंत सोरेन।

दावा

कार्बन सोखने और जलवायु परिवर्तन को धीमा करने की क्षमता को नुकसान

आर्कटिक क्षेत्र में इंसानों और जानवरों पर मंडराया संकट

एजेंसी । लंदन

आर्कटिक क्षेत्र अब बेहद खराब मौसम के ऐसे नए युग में पहुंच गया है, जिसके वहां रहने वाले पौधों, जानवरों और इंसानों पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं। यह बदलाव दुनिया की कार्बन सोखने और जलवायु परिवर्तन को धीमा करने की क्षमता को भी नुकसान पहुंचा सकता है। एक नए अध्ययन में यह दावा किया गया है। वैज्ञानिकों की अंतरराष्ट्रीय टीम के शोध के मुताबिक, पिछले कुछ दशकों में आर्कटिक में 'चरम मौसम' की घटनाएं बहुत आम हो गई हैं, जिससे वहां के महत्वपूर्ण पारिस्थितिक तंत्र को खतरा पैदा हो गया है।

तीन से चार गुना तेजी से गर्म हो रहा आर्कटिक

शोध में बताया गया है कि आर्कटिक दुनिया के बाकी हिस्सों की तुलना में तीन से चार गुना तेजी से गर्म हो रहा है। यह अध्ययन पहली बार 'बायोक्लाइमैटिक' (जीवों के लिए जरूरी जलवायु स्थितियां) बदलावों का गहराई से विश्लेषण करता है। फिनिश मेट्रोलॉजिकल इंस्टीट्यूट और यूनिवर्सिटी ऑफ शेफील्ड के शोधकर्ताओं ने 7 दशकों से अधिक के आंकड़ों की जांच की।

प्रदूषण सोखने की क्षमता कम होना

शेफील्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर गैरेथ फीनिक्स ने बताया कि इन घटनाओं से बड़े पैमाने पर पौधे मर सकते हैं। यह उन लोगों के लिए भी चिंता की बात है जो आर्कटिक में नहीं रहते, क्योंकि पौधे मरने से आर्कटिक की कार्बन सोखने की क्षमता कम हो जाएगी, जिससे पूरी दुनिया में जलवायु परिवर्तन और तेज होगा। शोधकर्ताओं का कहना है कि आर्कटिक के एक-तिहाई हिस्से में अब ऐसी मौसमी घटनाएं हो रही हैं जो पहले कभी नहीं देखी गईं। इसका मतलब है कि वहां का प्रकृति अब ऐसे हालातों का सामना कर रही है जिनका उसे कोई अनुभव नहीं है।

बर्फ पर बारिश का खतरा

अध्ययन में पाया गया कि पिछले 30 वर्षों में आर्कटिक के 10% से अधिक क्षेत्र में बर्फ के ऊपर बारिश होने लगी है। यह जानवरों के लिए बहुत खतरनाक है। जब बर्फ पर बारिश होती है, तो वह जम कर बर्फ की सख्त परत बना देती है। इससे बारहसिंगा जैसे जानवर बर्फ के नीचे दबी काई क नहीं पहुंच पाते, जिसे वे सर्दियों में खाते हैं। इससे उनकी मौत हो रही है। शोधकर्ताओं ने उन क्षेत्रों की भी पहचान की, जिन्हें हॉटस्पॉट कहा जाता है, जहां मौसमी स्थितियों और अत्यधिक घटनाओं दोनों में बदलाव विशेष रूप से मजबूत रहे हैं।

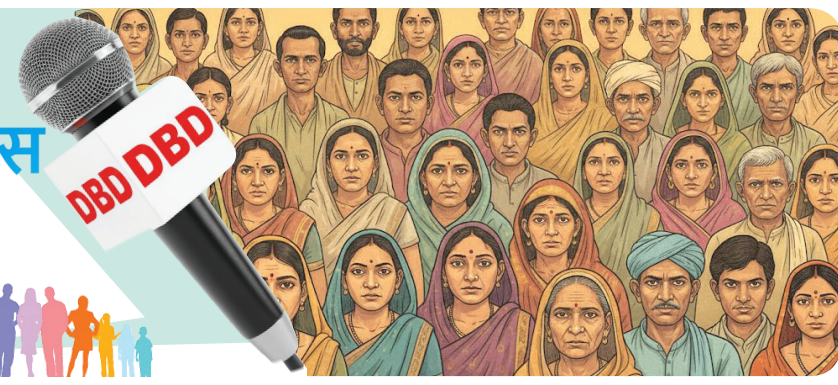

मनपा चुनाव 2026

इलेक्शन एक्सप्रेस
मनपा चुनाव

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

मुंबई
शनिवार, 10 जनवरी 2026

वार्ड वार

बीएमसी : वार्ड क्र. 43

विनोद मिश्रा का पलड़ा भारी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

वार्ड 43 में इस बार चतुष्कोणीय मुकाबला देखने को मिल रहा है। भाजपा से पूर्व गटनेता विनोद मिश्रा अपनी मजबूत पकड़ बनाए हुए हैं, जिन्हें भीमशक्ति संगठन का आधिकारिक समर्थन प्राप्त हुआ है। उनके सामने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लोकप्रिय उम्मीदवार सुदर्शन सोनी हैं, जो जमीनी स्तर पर कांग्रेस के कैडर को मजबूत कर रहे हैं। इनके अलावा बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के जयेश राजेश पांडे और आम आदमी पार्टी (आप) के इरफान खान भी चुनावी मैदान में हैं, जो सत्ता परिवर्तन और नए विकल्पों के वादे के साथ मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित करने की कोशिश कर रहे हैं।

विकास कार्य और भ्रष्टाचार विरोधी छवि

विनोद मिश्रा का पलड़ा उनके द्वारा किए गए स्थानीय विकास कार्यों के कारण भारी नजर आता है। उन्होंने मलाड के एस.के. पाटिल अस्पताल को पुनर्जीवित करने, डायलिसिस सेंटर खुलवाने और सीवर लाइनों जैसे बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए काफी काम किया है। इसके अलावा, बीएमसी में गटनेता रहते हुए उन्होंने 5,400 करोड़ रुपये के टेंडर में धांधली को उजागर कर अपनी एक 'भ्रष्टाचार विरोधी योद्धा' की छवि बनाई है। भीमशक्ति संगठन का समर्थन उनके पक्ष में दलित और पिछड़ा वर्ग के वोटों को एकजुट करने में सहायक हो सकता है।

विपक्ष की चुनौती

सुदर्शन सोनी, जयेश पांडे और इरफान खान मिश्रा के ठोस दावों के बावजूद, विपक्षी उम्मीदवार उन्हें कड़ी टक्कर नहीं दे पा रहे हैं। कांग्रेस के सुदर्शन सोनी स्थानीय युवाओं और पारंपरिक कांग्रेस समर्थकों के बीच सक्रिय हैं और क्षेत्र की अनसुलझी समस्याओं को उठा रहे हैं। आप के इरफान खान दिल्ली और पंजाब मॉडल की तर्ज पर शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बदलाव का वादा कर रहे हैं, जबकि बसपा के जयेश पांडे दलित और शोषित वर्ग के अधिकारों की बात कर रहे हैं।

मतदाताओं का रुख और निर्णायक मुद्दे

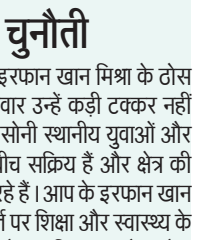

वार्ड 43 के मतदाताओं के लिए मुख्य मुद्दे अब भी स्वास्थ्य सेवाएं, पीने का पानी, सीवर व्यवस्था और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन हैं। जहाँ एक ओर विनोद मिश्रा अपने 'रिपोर्ट कार्ड' के आधार पर वोट मांग रहे हैं, वहीं सुदर्शन सोनी और अन्य उम्मीदवार सत्ता परिवर्तन की वकालत कर रहे हैं। आगामी 15 जनवरी 2026 को होने वाले मतदान में यह देखना दिलचस्प होगा कि जनता पुराने अनुभव और विकास कार्यों पर भरोसा जताती है या फिर नए चेहरों को मौका देकर वार्ड की राजनीति में नया मोड़ लाती है।

क्या बोलती पब्लिक

लोकतंत्र में आदर्श नेता वही है जो जनता के वोट के अधिकार का सम्मान करे, क्योंकि मजबूत नेतृत्व भाषणों से नहीं, जागरूक मतदाताओं के विश्वास से बनता है।

–शशिकला जैसवार, मुंबई

लोकतंत्र की असली परीक्षा चुनाव में होती है, जहां सत्ता नहीं बल्कि जनता निर्णायक होती है। एक शांत–सा दिखने वाला वोट दरअसल इतिहास की दिशा बदलने की ताकत रखता है।

–निमिष पवार, मुंबई

हमें भेजें

अगर आप भी अपने विचार हमें भेजना चाहते हैं तो 8356804318 इस नंबर पर व्हाट्सप्प करें।

विश्लेषण

नागपुर महानगरपालिका चुनाव

15 सालों से बीजेपी का कब्जा

धीरज सिंह | मुंबई

महाराष्ट्र महानगरपालिका चुनाव 2026 की सरगर्मियां तेज हैं। नागपुर महानगरपालिका (NMC) के आगामी चुनावों के लिए राजनीतिक बिसात बिछ चुकी है। नागपुर महानगरपालिका में इस बार कुल 38 वार्डों से 151 पार्षदों का चुनाव किया जाना है। चुनावी गणित को समझने के लिए यह जानना जरूरी है कि 37 वार्ड ऐसे हैं जहाँ से 4-4 कॉर्पोरेटर चुने जाएंगे, जबकि एक वार्ड ऐसा है जहाँ से केवल 3 पार्षदों का चयन होगा। सभी राजनीतिक दल इन सीटों पर अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं।

नागपुर महानगरपालिका चुनाव में कौन सी पार्टी किसके साथ?

नागपुर महानगरपालिका में बीजेपी और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना एक साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है. जबकि महायुति के एक और सहयोगी, अजित पवार की NCP ने अलग से चुनाव लड़ने का फैसला किया है. उधर, महाविकास अघाड़ी (MVA) के घटक, कांग्रेस और शरद पवार गुट की NCP (SP) ने नागपुर महानगरपालिका चुनाव अलग–अलग लड़ने का फैसला किया है. NCP (SP) का आरोप है कि कांग्रेस यहां BJP की मदद करना चाहती है.

2017 के चुनाव में किसे कितनी सीटें मिलीं?

नागपुर महानगरपालिका के लिए साल 2017 के चुनाव में यहां बीजेपी ने बेहतर प्रदर्शन किया था. पार्टी को 108 सीटों पर जीत हासिल हुई थी. इस बार बीजेपी ने नागपुर के लिए 125 सीटों को जीतने का टारगेट रखा है. 2017 के चुनाव में कांग्रेस ने 28 सीटें जीती थी तो वहीं BSP के 10 पार्षद चुने गए थे. शिवसेना के दो और एनसीपी के एक पार्षद को यहां जीत हासिल हुई थी.

नागपुर में किसका गढ़?

नागपुर महानगरपालिका की सत्ता पर पिछले करीब 15 सालों से बीजेपी का कब्जा रहा है. लगातार तीन बार से बीजेपी का ही यहां मेयर रहा. नागपुर को आम तौर पर बीजेपी का ही गढ़ माना जाता है. माना जाता है कि यहां बीजेपी नेता और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के साथ ही सीएम देवेंद्र फडणवीस की अच्छी सियासी पकड़ है.

कुल वोटर्स की संख्या 24,83,112

चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, नागपुर शहर में कुल वोटर्स की संख्या 24,83,112 है। यह संख्या जुलाई 2025 तक की अपडेटेड वोटर लिस्ट के आधार पर तय की गई है, जिसे इस चुनाव के लिए अंतिम माना गया है। यह विशाल मतदाता वर्ग इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (EVM) के जरिए शहर की नई सरकार का फैसला करेगा।

2022 में हो गया था कार्यकाल खत्म

पिछले NMC चुनाव फरवरी 2017 में हुए थे और इसका कार्यकाल मार्च 2022 में खत्म हो गया था. तब से महानगरपालिका प्रशासक के शासन में काम कर रहा है. हालांकि करीब चार सालों तक चुने हुए कॉर्पोरेटरों की गैरमौजूदगी का जनता पर साफ असर पड़ा. इलाके के लोग वाटर सप्लाई, साफ-सफाई, सड़कों, ड्रेनेज और अतिक्रमण से जुड़े बेसिक मुद्दों को सुलझाने में लगातार देरी का सामना करने का आरोप लगाते रहे हैं.

नागपुर में कौन पार्टी कितनी सीटों पर लड़ रही चुनाव?

गठबंधन की सियासत में बीजेपी यहां बड़े भाई की भूमिका में है. बीजेपी अकेले 143 सीटों पर चुनाव लड़ रही है जबकि एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना को महज 8 सीटें मिली हैं. कांग्रेस ने महाविकास अघाड़ी से गठबंधन न करके सभी 151 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया है. महायुति से अलग किस्मत आजमा रहे अजित पवार की NCP ने 96 सीटों पर अपने उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारे हैं. उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) ने यहां 58 सीट पर प्रत्याशी खड़ा किए हैं जबकि शरद पवार की एनसीपी (SP) ने 76 सीट पर किस्मत आजमा रही है. राज ठाकरे की मनसे ने भी नागपुर 22 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं. इसके अलावा AIMIM और BSP समेत कई अन्य पार्टियां और निर्दलीय उम्मीदवार भी चुनाव मैदान में उतरे हुए हैं.

कुलाबा से कांदिवली तक, 10 सीटों पर हाई-प्रोफाइल मुकाबलें

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र की 29 महानगर पालिकाओं के चुनाव हो रहे हैं. इसके लिए मतदान 15 जनवरी को होगा. इन चुनावों की मतगणना का काम 16 जनवरी को कराया जाएगा. जिन नगर निगमों में चुनाव कराया जा रहा है, उनमें मुंबई का बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमएसी)सबसे बड़ा नगर निगम है. बीएमएसी 227 सदस्य हैं. पिछले तीन चुनाव से 227 में 75 से 85 तक सीटें जीतने वाली शिव सेना का बीएमएसी में शिवसेना का दबदबा रहा है.पिछले तीन बार से बीएमसी में शिव सेना की सरकार रही हैं. लेकिन इस बार हालात थोड़ा अलग हैं. इसकी वजह से कई सीटों पर दिलचस्प मुकाबला देखने को मिलेगा।

वार्ड 227 (कुलाबा) - मकरंद नार्वेकर बनाम तेजल पवार

■ यह वार्ड मुंबई के सबसे वीआईपी इलाकों में से एक है। यहाँ भाजपा के दिग्गज नेता मकरंद नार्वेकर का सीधा मुकाबला निर्दलीय उम्मीदवार तेजल पवार से है। विपक्ष ने यहाँ नार्वेकर को घेरने के लिए एक साझा रणनीति बनाई है, जिससे यह मुकाबला 'वन–ऑन–वन' हो गया है।

वार्ड 199 (लोअर परेल) - किशोरी पेडनेकर का गढ़

■ मुंबई की पूर्व मेयर किशोरी पेडनेकर (शिवसेना UBT) यहाँ से चुनावी मैदान में हैं। मेयर के रूप में उनके कार्यकाल और हालिया विवादों के कारण यह वार्ड पूरे मुंबई की नजरों में है। उनकी संपत्ति में हुई वृद्धि को लेकर विपक्ष उन्हें लगातार निशाने पर ले रहा है।

वार्ड 191 (दादर/माहिम) - सरवणकर परिवार की साख

■ यहाँ शिवसेना (शिंदे गुट) के सदा सरवणकर की बेटी प्रिया सरवणकर और शिवसेना (UBT) की दिग्गज नेता विशाखा राऊत के बीच कांटे की टक्कर है। दादर शिवसेना का जन्मस्थान रहा है, इसलिए इस वार्ड को जीतना दोनों गुटों के लिए सम्मान की बात है।

वार्ड 152 (घाटकोपर) - पराग शाह का प्रभाव

■ मुंबई के सबसे अमीर नगरसेवकों में शुमार पराग शाह के कारण यह वार्ड सुर्खियों में रहता है। यहाँ गुजराती और मारवाड़ी मतदाताओं का बड़ा प्रभाव है, जिसे अपनी ओर करने के लिए सभी दल एड़ी–चोटी का जोर लगा रहे हैं।

वार्ड 211 - गैंगस्टर टर्न पॉलिटिशियन का प्रभाव

■ यहाँ वंदना गवली (अरुण गवली की भाभी) शिवसेना के टिकट पर चुनाव लड़ रही हैं। उनका मुकाबला शिवसेना (UBT) की अबोली खाये से है। गवली परिवार का पारंपरिक प्रभाव यहाँ आज भी कायम है, जो इस लड़ाई को दिलचस्प बनाता है।

वार्ड 2 (दहिसर) - तेजस्वी घोसालकर का रण

■ दिवंगत अभिषेक घोसालकर की पत्नी तेजस्वी घोसालकर यहाँ से शिवसेना (UBT) की उम्मीदवार हैं। उनके सामने भाजपा ने रेखा यादव को उतारकर मुकाबले को कड़ा बना दिया है। यह वार्ड उत्तर मुंबई में वर्चस्व की लड़ाई का केंद्र है।

आंकड़ों में इलेक्शन

बीजेपी के कोर वोटर हैं अर्बन वोर्टस

2009—2013	2015—2018
0.24 करोड़ वोट 26 नगर निगमों के चुनावों में	1.20 करोड़ वोट 26 नगर निगमों के चुनावों में
11.59% वोट शेयर	31.30% वोट शेयर

15 जनवरी 2026 को होने वाले इन चुनावों से पहले जो आंकड़े दो बजे दोपहर के फैक्ट टीम को मिले हैं, वे विपक्षी दलों के लिए चिंता बढ़ाने वाले हैं। आंकड़े बताते हैं कि मुंबई, पुणे और नागपुर जैसे बड़े शहरों में भारतीय जनता पार्टी का प्रभाव तेजी से बढ़ा है, जबकि कांग्रेस, शिवसेना और एनसीपी पीछे छूटती नजर आ रही हैं।

भाजपा के वोट शेयर में उछाल

पिछले दो नगर निगम चुनावों की तुलना करें तो भाजपा की शहरी पकड़ लगातार मजबूत हुई है। फरवरी 2015 से दिसंबर 2018 के बीच हुए 26 नगर निगम चुनावों में भाजपा को करीब 1.20 करोड़ वोट मिले, जो 31.30 प्रतिशत वोट शेयर रहा। इसके मुकाबले 2009 से 2013 के बीच यह आंकड़ा महज 0.24 करोड़ वोट और 11.59 प्रतिशत था।

शहर बने भाजपा का कोर बेस

हालिया विधानसभा चुनावों में भाजपा ने 288 में से 132 सीटें जीतीं, हालांकि उसका वोट शेयर 26.96 प्रतिशत रहा। विश्लेषकों का मानना है कि नगर निगम चुनाव पूरी तरह शहरी होते हैं और शहर भाजपा का मजबूत गढ़ बन चुके हैं, जहां उसका संगठन और वोट बैंक ज्यादा एकजुट है।

कांग्रेस की चुनौती

दूसरी ओर कांग्रेस शहरी क्षेत्रों में अपनी जमीन बचाने के लिए संघर्ष करती दिख रही है। वोटों की कुल संख्या में हल्का इजाफा होने के बावजूद उसका वोट शेयर 20.45 प्रतिशत से घटकर 15.53 प्रतिशत रह गया है, जिससे भाजपा के मुकाबले उसकी स्थिति कमजोर हुई है।

शिवसेना-एनसीपी का कमजोर असर

अविभाजित शिवसेना के वोट बढ़े जरूर, लेकिन भाजपा को चुनौती देने के लिए वह नाकाफी साबित हुई। वहीं एनसीपी के वोटों की संख्या बढ़ने के बावजूद उसका वोट शेयर घटा है। दोनों दलों का शहरी इलाकों में प्रभाव पहले जैसा नहीं रहा। शिवसेना और एनसीपी के दो गुटों में बंटने और उनके एक–एक गुट के भाजपा के साथ जाने से राज्य की सियासत और बदली है। विपक्षी एकजुटता की कमी का सीधा फायदा भाजपा को मिल सकता है, जिससे आगामी नगर निगम चुनावों में उसकी स्थिति और मजबूत होने की संभावना जताई जा रही है।